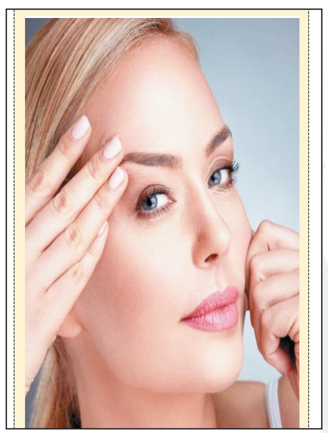

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

लटकती त्वचा से पांए निजात.... पेज: 6

भूत बंगला की फेचाइजी बनाना चाहती है... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 27 | मंगलवार 28 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

भारत-न्यूजीलैंड के बीच हो गया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

● अब सभी एक्सपोर्ट पर ड्यूटी जीरो हुई, 5000 भारतीयों को वर्किंग वीजा मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) साइन हो गया है। अब भारत से न्यूजीलैंड भेजे जाने वाले लेदर प्रोडक्ट्स, टेक्सटाइल, प्लास्टिक और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे सामानों पर कोई एक्सपोर्ट ड्यूटी नहीं लगेगी। जिससे इन श्रम-प्रधान क्षेत्रों यानी लेबर इंटेंसिव सेक्टर्स को सीधा लाभ होगा। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसे एक पीढ़ी में एक बार होने वाला समझौता बताया। वहीं मिनिस्टर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पीयूष गोयल ने इसे भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक संबंधों में नए अध्याय की शुरुआत बताया है। पीयूष गोयल ने कहा कि यह विश्वास,साझा मूल्यों और साझा विजन को दर्शाता है।

न्यूजीलैंड को कृषि उत्पादों पर रियायत

डेयरी पर छूट नहीं

न्यूजीलैंड को भारतीय बाजार में पहुंच देने के लिए भारत ने अपनी 70 फीसदी टैरिफ लाइन्स खोल दी हैं। इसमें सेब, कीवी फ्रूट और मनुका हनी जैसे कृषि उत्पादों पर टैरिफ रियायतें दी गई हैं, लेकिन ये कोटा लिमिट और मिनिमम इम्पोर्ट प्राइस की शर्तों के साथ होंगी। इसके अलावा न्यूजीलैंड को भारत में अपने 54 फीसदी से ज्यादा एक्सपोर्ट पर तुरंत शून्य ड्यूटी मिलेगी। इसमें शीप मीट, ऊन, कोयला और फॉरेस्ट्री प्रोडक्ट्स शामिल हैं।

न्यूजीलैंड 15 साल में भारत में 1.8 लाख करोड़ का निवेश करेगा

एग्रीमेंट का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच बाइलेटरल ट्रेड को दोगुना करना और भारत में बड़े विदेशी निवेश को आकर्षित करना है। एग्रीमेंट के तहत न्यूजीलैंड से अगले 15 साल में भारत में 20 बिलियन डॉलर (करीब 1.8 लाख करोड़) का निवेश आने की उम्मीद है।

5 हजार भारतीय प्रोफेशनल्स को वर्किंग वीजा मिलेगा

सर्विस सेक्टर में भारत ने शिक्षा, फाइनेंशियल सर्विसेज, कंस्ट्रक्शन और टूरिज्म जैसे हाई-वैल्यू सेक्टरों में बाजार पहुंच हासिल की है। समझौते के तहत, योगा इंस्ट्रक्टर्स, इंडियन शेफ और म्यूजिक टीचर्स के लिए भी रास्ते खुलेंगे। एक नया टेम्परेरी एम्प्लॉयमेंट एंट्री वीजा का रास्ता बनाया गया है।

ट्रंप पर तो गोली चलनी ही थी, भारत में भी ऐसा ही माहौल

महाराष्ट्र से कांग्रेस विधायक वडेट्टीवार का विवादित बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के डिनर में हुई गोलीबारी को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को निशाने पर लिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके शासन करने के तरीके को देखते हुए ये होना ही था। रिपोर्ट के

अनुसार, उन्होंने इसकी तुलना भारत से भी की। कांग्रेस के पांच बार के विधायक वडेट्टीवार ने कहा, ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर अपना दबदबा बनाने और दूसरे देशों को अस्थिर करने की कोशिश की। जैसी करनी, वैसी भरनी... चूंकि चीजें वैसी नहीं हुईं जैसी उन्होंने उम्मीद की थी, इसलिए ऐसा होना ही था। **भारत में भी लोगों का मिजाज ऐसा ही-** उन्होंने आगे कहा कि ट्रंप के फैसलों से अमेरिका को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने विवादित बयान देते हुए कहा कि भारत में भी लोगों का मिजाज कुछ अलग नहीं है। हालांकि, वडेट्टीवार ने किसी का नाम नहीं लिया।

जस्टिस स्वर्णकांता से न्याय की उम्मीद खत्म

● केजरीवाल बोले-उनके बेटे को केंद्र से सबसे ज्यादा केस मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को वीडियो जारी कर कहा, 'शराब नीति घोटाला मामले में मैं हाईकोर्ट में न खुद पेश होऊंगा और न ही कोई मेरी तरफ से दलीलें रखेगा। उन्होंने कहा, हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है। पूर्व सीएम ने जस्टिस स्वर्णकांता को लेटर भी लिखा। इसमें कहा, 'मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए महात्मा गांधी के सत्याग्रह का रास्ता अपनाने का फैसला किया है। इसकी वजह है कि

जस्टिस स्वर्णकांता के दोनों बच्चे केंद्र सरकार के वकील के पैनल का हिस्सा हैं। इसमें साफ तौर पर हितों का टकराव दिखता है।' उन्होंने कहा, 'सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता दोनों बच्चों को केस देते हैं। उनके बेटे को 2023 से 2025 के बीच करीब 5904 केस मिले। अगर जज के बच्चों का भविष्य सॉलिसिटर जनरल तय कर रहे हैं तो क्या जज साहिबा उनके खिलाफ फैसला सुना पाएंगी।' दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में निचली अदालत ने केजरीवाल समेत 24 आरोपियों को बरी कर दिया है। सीबीआई ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा इस केस की सुनवाई कर रही हैं। केजरीवाल उन पर हितों के टकराव का आरोप लगा रहे हैं।

● टीएमसी सांसद मिताली की कार पर हमला

ईंट-पत्थर, लाठियों से किया वार सांसद और उनका ड्राइवर घायल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हुगली में सोमवार को टीएमसी सांसद मिताली बाग की कार पर हमला हुआ। टीएमसी का आरोप है कि भाजपा समर्थकों ने गोगहाट में उनकी गाड़ी पर ईंट-पत्थर और लाठियों से हमला किया। हमला उस वक्त हुआ, जब मिताली बाग गोगहाट से आरामबाग में अभिषेक बनर्जी के रोड शो में शामिल होने जा रही थीं। हमले में कार के शीशे टूट गए। सांसद और उनके ड्राइवर को चोट आई है। दोनों को आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टीएमसी ने अपने ट्वीट में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने धमकी दी थी कि जो भी घर से बाहर निकलेगा, उसे उल्टा लटका दिया जाएगा। उसी के बाद यह हमला हुआ। उत्तर 24 परगना के जगदल में रविवार रात को टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। इस दौरान पत्थरबाजी, फायरिंग और देशी बम भी फेंके गए। इसमें तीन लोग घायल हुए।

भारत-रूस की नई सैन्य डील से दहशत में दुनिया!

● पुतिन और मोदी ने चीन-अमेरिका को दिए पांच बड़े संदेश

मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के लीगल इन्फॉर्मेशन पोर्टल ने हाल ही में भारत के साथ पिछले साल हुए लॉजिस्टिक्स सपोर्ट के आपसी आदान-प्रदान यानि रीलोज सैन्य लॉजिस्टिक्स समझौते की जानकारी दी है। इसके तहत दोनों देश एक दूसरे के देश में 3000 सैनिक, 10 लड़ाकू विमान और पांच युद्धपोतों की तैनाती कर सकेंगे। भारत और रूस के बीच किए गये इस सैन्य समझौते की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। रूसी समाचार एजेंसी से बात करते हुए भारत के पूर्व एयर मार्शल अनिल चोपड़ा (सेवानिवृत्त) ने लिखा है कि इस समझौते से भारत और रूस ने दुनिया को पांच अहम संदेश दिए हैं। रीलोज समझौता क्या है- इस समझौते के तहत भारत और रूस की थल सेना, नौसेना और वायु सेना एक-दूसरे के सैन्य अड्डों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों का उपयोग कर सकेंगी। इस समझौते के तहत दोनों देश ईंधन, राशन, और रखरखाव जैसी सुविधाओं के लिए एक-दूसरे के नेटवर्क का इस्तेमाल कर पाएंगे।

बंदरगाहों तक पहुंच मिलेगी जिससे उसकी रणनीतिक पहुंच बढ़ेगी- इसके अलावा इस समझौते के तहत भारत को रूस के आर्कटिक (जैसे मरमंस्क) और सुदूर पूर्व (जैसे व्लादिवोस्तोक) के बंदरगाहों तक पहुंच मिलेगी जिससे उसकी रणनीतिक पहुंच बढ़ेगी। भारत-रूस बने हुए हैं रणनीतिक साझेदार- पूर्व एयर मार्शल अनिल चोपड़ा ने आरटी को बताया है कि पेपे एस्कोबार ने मार्च में झूठा दावा किया था कि भारत ने रूस के साथ विश्वासघात किया है लेकिन रीलोज समझौते के बाद यह बात सच्चाई से कोसों दूर साबित होती है। इस समझौते के जरिए हिंद महासागर क्षेत्र में रूस की शीत युद्ध के दौर वाली स्थायी सैन्य मौजूदगी फिर से बहाल हो गई है। इसी तरह भारत और रूस की चीन पर निर्भरता कम होगी।

अमेरिका से तनाव के बीच मास्को पहुंचे अराघची

● राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे ईरानी विदेश मंत्री ● अब बनाएंगे नया प्लान, पाकिस्तान को भेजा संदेश

मॉस्को (एजेंसी)। अमेरिका से तनाव के बीच ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची सोमवार को रूस पहुंचे। उनका रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने की संभावना है। उनका दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका के साथ युद्धविराम टूटने की आशंका है। ईरान ने पाकिस्तान में अमेरिकी अधिकारियों से मिलने से मना कर दिया था। ईरान के विदेश मंत्रालय ने टेलीग्राम पर बताया कि अब्बास अराघची सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचे हैं जहां उनके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने की उम्मीद है। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब अराघची ने इस्लामाबाद की यात्राओं के बीच ओमान का भी दौरा किया। मध्यस्थ तेहरान और वॉशिंगटन के बीच शांति वार्ता को जीवित रखने की कोशिशों में जुटे हैं। शनिवार को ईरान के आमने-

सामने की बातचीत से इनकार के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों स्टीव विटकॉफ और कुशनर की इस्लामाबाद की प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दी थी।

रूसी राष्ट्रपति से मिलेंगे ईरान के विदेश मंत्री- रूस वैश्विक शक्ति संबंधों के मामले में ईरान के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक है। ईरान इस बहुत ही पेचीदा स्थिति में रूस के प्रभाव का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है। अराघची ने पहले कहा था कि दोनों देशों के बीच बातचीत हुई थी। इस बीच फार्स ने ये भी बताया है कि पाकिस्तान को जो संदेश दिए गये हैं वो औपचारिक बातचीत का हिस्सा नहीं थे। अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस ने रविवार को रिपोर्ट दी कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और युद्ध को समाप्त करने के लिए एक नया प्रस्ताव भेजा है जिसमें परमाणु बातचीत को बाद के चरण के लिए टाल दिया गया है। इस रिपोर्ट में एक अमेरिकी अधिकारी और इस मामले की जानकारी रखने वाले दो अन्य सूत्रों का हवाला दिया गया था।

ट्रंप ने कहा- ईरान बातचीत के लिए कर सकता है फोन

इस बीच रविवार को डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से कहा कि अगर ईरान बातचीत करना चाहता है तो वे हमारे पास आ सकते हैं या हमें फोन कर सकते हैं। वहीं जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या यात्रा रद्द करने का मतलब यह है कि फिर से लड़ाई शुरू हो सकती है तो उन्होंने कहा नहीं, इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है। शनिवार को, अराघची ने ओमान जाने और फिर इस्लामाबाद लौटने से पहले उन्होंने पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असिम मुनीर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री इशाक डार से मुलाकात की थी।

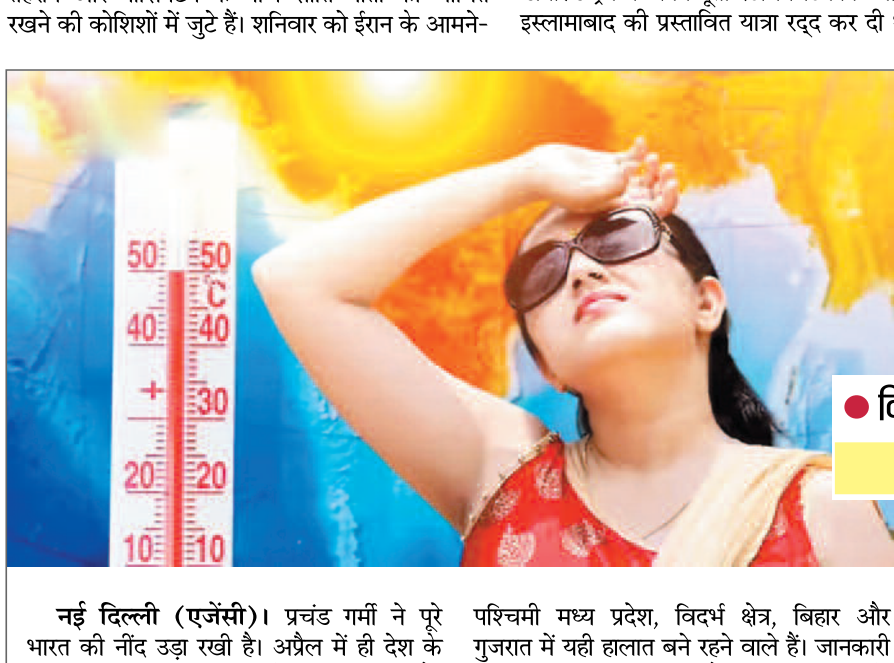

प्रचंड गर्मी, आसमान से बरस रहे आग के शोले

● दिल्ली-यूपी एमपी और राजस्थान में आग उगल रहा पारा

महाराष्ट्र के अकोला में पारा 46.9, देश में सबसे गर्म रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रचंड गर्मी ने पूरे भारत की नींद उड़ा रखी है। अप्रैल में ही देश के कई जगहों पर पारा 40 डिग्री के पार चला गया है। वहीं, देश अभी से ही भीषण लू चलने लगी है, जिससे देश के कई शहर बेहद गर्म हो गए हैं। भारतीय मौसम विभाग ने हीटवेव यानी लू को लेकर चेतावनी दी है कि यह स्थिति उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में अगले तीन दिनों तक बनी रहेगी। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ क्षेत्र, बिहार और गुजरात में यही हालात बने रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, झांसी, ओरछा और बालनगीर भारत के सबसे गर्म शहरों में से हैं। वहीं, विंडीडॉट कॉम के अनुसार, सोमवार दोपहर तक नई दिल्ली, अहमदाबाद और गुना का तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया था। वहीं, नागपुर का पारा 42 डिग्री तक चढ़ गया था। बाकी धनबाद, प्रयागराज का तापमान 40 डिग्री के करीब यानी 39 डिग्री तक पहुंच चुका है। दिन में ये तापमान और बढ़ना तय है।

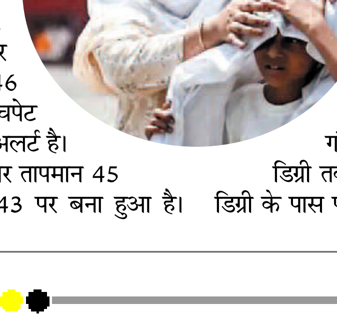

बिहार में गर्मी से 2 और आंधी-बिजली से 5 मौतें- देश में भीषण गर्मी जारी है। राजस्थान, यूपी और महाराष्ट्र के 7 शहरों में रविवार को तापमान 46 डिग्री के पार चला गया। महाराष्ट्र का अकोला 46.9 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा। अमरावती 46.8, बांदा 46.6, वर्धा और बाड़मेर 46.4, जैसलमेर और यवतमाल 46 डिग्री तापमान के साथ हीटवेब की चपेट में हैं। यूपी के 60 जिलों में लू का अलर्ट है। मध्य प्रदेश के खजुराहो में पहली बार तापमान 45 पहुंचा। इंदौर-भोपाल में भी पारा 43 पर बना हुआ है। उत्तराखंड के देहरादून में गर्मी के चलते 12वीं तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बिहार के 8 जिलों में रविवार को पारा 40एष्ट के पार चला गया। यहां गर्मी से दो मौतों की खबर है। नेपाल बॉर्डर से सटे जिलों में आंधी और बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे 100 गर्म शहरों में से 95 शहर भारत में ही हैं। इसमें मध्य भारत से होकर गंगा के मैदानों तक कई शहरों में तापमान 40 डिग्री तक पहुंच चुका है। वहीं, कहीं-कहीं यह 45 डिग्री के पास पहुंच सकता है।

संक्षिप्त समाचार

गिरफ्तारी से बचने 'सुप्रीम' शरण में पवन खेड़ा

● असम सीएम हिमंता की पत्नी पर लगाए थे गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुवाहाटी हाई कोर्ट द्वारा एंटीसिपेटरी बेल की याचिका खारिज होने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने अब सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। वह असम के मुख्यमंत्री हिमंता की पत्नी द्वारा एफआईआर मामले में एंटीसिपेटरी बेल के लिए शीर्ष अदालत पहुंचे हैं। गौरतलब है कि पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि हिमंता की पत्नी रिंकी भुइयां के पास तीन देशों का पासपोर्ट होने का आरोप लगाया था। इसके बाद हिमंत बिस्वा सरमा ने काफी आक्रामक जवाब दिया था। इससे पहले गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के

बाद कांग्रेस की प्रतिक्रिया आई थी। शनिवार को पार्टी की तरफ से कहा गया कि वह अपने मीडिया विभाग के प्रमुख के साथ खड़ी है। साथ ही उम्मीद जताई कि उत्पीड़न की राजनीति पर न्याय की जीत होगी। पवन खेड़ा ने हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां होने के आरोपों से जुड़े मामले में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी। सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां ने खेड़ा और अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत गुवाहाटी अपराध शाखा पुलिस थाने में आपराधिक मामले दर्ज कराए थे। इससे पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय ने खेड़ा को सात दिन की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, लेकिन असम पुलिस ने इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। शीर्ष अदालत ने अंतरिम आदेश पारित कर ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी थी और खेड़ा को गुवाहाटी उच्च न्यायालय जाने को कहा था। गुवाहाटी हाई कोर्ट के आदेश में कहा गया है कि यदि खेड़ा ने ये आरोप मुख्यमंत्री के खिलाफ लगाए होते, तो यह मामला राजनीतिक बयानबाजी माना जा सकता था।

कर्नाटक में फिर सीएम बदलने की चर्चा तेज

● शिवकुमार बोले-हाईकमान जो कहेगा सिद्धारमैया मानेंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में एक बार फिर से मुख्यमंत्री परिवर्तन की चर्चा तेज है। हालांकि दिल्ली में पार्टी हाईकमान से चर्चा करके वापस लौटे डिप्टी सीएम शिवकुमार ने हमेशा की तरह इस बार भी पार्टी के भीतर किसी भी तरह के मतभेद की खबरों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि पार्टी और सरकार में कोई समस्या नहीं है। कर्नाटक का नेतृत्व किसके पास होगा इसके बारे में जल्दी ही पता चल जाएगा। बता दें, शिवकुमार का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब सरकार के तीन साल पूरे होने के बाद सीएम बदलने की चर्चाएं तेज हैं। दिल्ली में पार्टी हाई कमान से हुई मीटिंग के बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा, हाई कमान ने क्या फैसला किया है। इसके बारे में

आपको जल्दी ही पता चल जाएगा। इसलिए मैं आपको यह नहीं बताऊंगा। वे (पार्टी हाईकमान) सही समय पर जो सही होगा वही करेंगे। मुझे उन पर पूरा भरोसा है। उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पार्टी हाईकमान के फैसले के ऊपर सीएम सिद्धारमैया के रिएक्शन पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हाई कमान जो भी फैसला लेगा। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया उसे स्वीकार करेंगे। इसमें कोई भी परेशानी नहीं है। सरकार के तीन साल पूरे होने के करीब संभावित नेतृत्व परिवर्तन की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर कभी चर्चा नहीं की। मैंने इस मुद्दे पर कभी चर्चा नहीं की है। मुख्यमंत्री और मैंने दोनों ने कहा है कि उच्च नेतृत्व जो भी और जब भी निर्णय करेगा, हम उसे स्वीकार करेंगे और उसका पालन करेंगे। बता दें, पिछले 6 महीने से कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर लगातार चर्चा होती रही है। खासतौर पर नवंबर 2025 में कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद लगातार यह खबर तेज हुई थी। हालांकि, बाद में कांग्रेस हाई कमान ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को यह विवाद सुलझाने के लिए कहा। इसके बाद सीएम के घर नाश्ते पर दोनों नेता मिले।

आखिर दुनिया का 'थानेदार' ट्रंप और उनका अमेरिका खुद इतना असुरक्षित क्यों है?

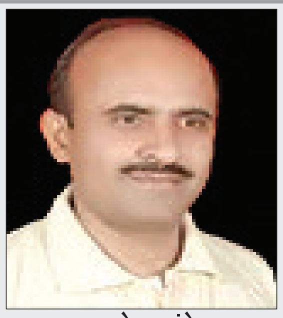

कमलेश पांडेय

अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की।

आखिर दुनिया का 'थानेदार' कहे जाने वाला अमेरिका खुद असुरक्षित क्यों दिखता है? असल में यह एक मिथक औ? हकीकत का मिश्रण है। अमेरिका के नेता, जैसे डोनाल्ड ट्रम्प के 'असुरक्षित' दिखने के पीछे कई परतें होती हैं, क्योंकि उनकी मौजूदगी वाले स्थल पर यह तीसरा बड़ा हमला है। इसलिए यह सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक, संस्थागत और वैश्विक कारणों का मिश्रण है।

पहला, वैश्विक नेतृत्व का दबावः अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की।

दूसरा, घरेलू राजनीति की तीखी प्रतिस्पर्धाः डॉनल्ड ट्रंप की राजनीति बहुत ध्रुवीकृत रही है। अमेरिका के अंदर ही डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच तीखी टकराहट, मीडिया की आलोचना, और चुनावी दबाव–ये सब किसी भी नेता को 'रक्षात्मक' या असुरक्षित दिखा सकते हैं।

तीसरा, कानूनी और व्यक्तिगत विवादः ट्रंप कई कानूनी मामलों, जांचों और विवादों से घिरे रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोई भी नेता अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क–कभी-कभी असुरक्षित–दिख सकता है।

चौथा, बदलती वैश्विक शक्ति-संतुलनः अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रही। चीन, रूस जैसे देश चुनौती दे रहे हैं। इससे अमेरिका की 'थानेदार' वाली स्थिति पहले जैसी निर्विवाद नहीं रही, और यह असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है।

पांचवां, पॉपुलिस्ट (जनप्रिय) राजनीति की शैलीः
ट्रंप की राजनीति में 'हम बनाम वे' का नैरेटिव मजबूत रहा है। इस शैली में नेता अक्सर खतरे को बड़ा दिखाते हैं–चाहे वह बाहरी हो या आंतरिक–ताकि समर्थकों को एकजुट रखा जा सके। इससे भी 'असुरक्षा' का आभास होता है।

छठा, 'असुरक्षा' का एहसास बनाम असली आंकड़े;
अमेरिका में लंबे समय में अपराध दर (crime rate) घटी है, खासकर 1990 के बाद से, लेकिन फिर भी लगभग 46% लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। यानी समस्या सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि डर का माहौल भी है कारण स्पष्ट है कि मीडिया, सोशल मीडिया, और मास शूटिंग जैसी घटनाएं लोगों के दिमाग में डर बढ़ाती हैं।

सातवां, आर्थिक असमानताः अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर देशों में है, लेकिन अमीर-गरीब का अंतर बहुत बड़ा है बेरोजगारी, घर विहीनता, opioid crisis जैसी समस्याएं अपराध को बढ़ाती हैं। जहां असमानता ज्यादा होती है, वहां अपराध और असुरक्षा भी ज्यादा होती है।

आठवां, हथियार संस्कृतिः अमेरिका में आम नागरिक के पास बड़ी संख्या में हथियार हैं। इससे छोटी घटनाएं भी घातक बन सकती हैं, जैसे शूटिंग इंसीडेंट्स। यही कारण है कि हिंसात्मक अपराध का डर ज्यादा रहता है।

नौवां, अपराध का 'केंद्रित' होनाः पूरे अमेरिका में समान खतरा नहीं है, बल्कि अपराध कुछ खास शहरों या इलाकों में ज्यादा केंद्रित होता है। इसलिएः कुछ जगह बहुत सुरक्षित है पर कुछ जगह बहुत खतरनाक।

दसवां, मीडिया और राजनीति का प्रभावः लगातार चौबीस घण्टे सातों दिन न्यूज और सोशल मीडिया 'खतरे' को अम्प्लीफाय (amplify) करते हैं। लोग वास्तविकता से ज्यादा डर महसूस करते हैं। 'भय अर्थव्यवस्था' भी एक फैक्टर है।

ग्यारहवां, पुलिस और सिस्टम की सीमाएँः अमेरिका पुलिस और जेल पर बहुत खर्च करता है, फिर भी मूल कारणों, जैसे- गरीबी, मानसिक स्वास्थ्य, नशा आदि पर कम ध्यान दिया जाता है। इसलिए सुरक्षा का ढांचा 'प्रतिक्रियावादी' है, 'सुरक्षात्मक/संरक्षात्मक' कम।

बारहवां, सामाजिक व्यवहार और जीवनशैलीः सड़क हादसे, नशा, मानसिक तनाव–ये भी असुरक्षा के बड़े कारण हैं कई मामलों में व्यवहार भी जिम्मेदार है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि अमेरिका 'कमजोर' नहीं है, लेकिनःआर्थिक असमानता, हथियार संस्कृति, सामाजिक तनाव और मीडिया द्वारा बढ़ा डर आदि के कारण एक शक्तिशाली देश भी अंदर से असुरक्षित महसूस करता है।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप की हालिया सुरक्षा चूक व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर (25 अप्रैल 2026) के दौरान हुई, जब एक संदिग्ध ने होटल में घुसकर गोली चलाई। अमेरिकी अधिकारी अभी जांच कर रहे हैं, लेकिन कोई निश्चित समय सारिणी घोषित नहीं की गई है। 25 अप्रैल 2026 को वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में डिनर के दौरान एक संदिग्ध (कोल एलन) ने शॉटगन, पिस्तौल और चाकू लहराते हुए सिक्योरिटी चेकपॉइंट तोड़ा और गोली चलाई। सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप, मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत नेताओं को सुरक्षित निकाला; एक एजेंट को गोली लगी लेकिन बुलेटप्रूफ वेस्ट से बच गया।

बहरहाल, जांच की स्थिति यह है कि FBI की एंटी-टेरर यूनिट जांच लीड कर रही है, जिसमें हथियार, गवाह बयान और संदिग्ध के मैनिफेस्टो की पड़ताल शामिल है। एक्टिंग अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा कि संदिग्ध ट्रंप व उनकी टीम को टारगेट बना रहा था, लेकिन वो सहयोग नहीं कर रहा। ट्रंप ने इसे सिक्योरिटी सक्सेस बताया, पर सुरक्षा प्रोटोकॉल पर सवाल उठे हैं।

आखिर जवाब कब? तो अधिकारियों ने लाइव अपडेट दिए हैं, लेकिन सुरक्षा चूक के सवालों (जैसे चेकपॉइंट कैसे टूटा) पर कोई अंतिम रिपोर्ट या सुनवाई की तारीख की घोषणा नहीं हुई। जांच जारी है, अतिरिक्त विवरण आने पर बयान संभव। इससे पहले ट्रंप पर 13 जुलाई 2024 के हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की जांच में जुलाई 2025 में जारी अमेरिकी सीनेट रिपोर्ट ने सीक्रेट सर्विस की गंभीर चूक उजागर की। यह 2026 की हालिया घटना से जुड़ी नहीं, बल्कि पुरानी घटना पर आधारित है।

मुख्य निष्कर्ष यह है कि विश्वसनीय खुफिया सूचना के बावजूद सीक्रेट सर्विस ने कोई उचित कार्रवाई नहीं की; खतरे को नजरअंदाज किया। वहीं, स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय की कमी, खासकर पास की छत को सुरक्षित न करना। संचार, तकनीकी और मानवीय चूकें; कोई बड़ा अधिकारी बर्खास्त नहीं, सिर्फ 6 पर हल्की कार्रवाई।

इसलिए सिफारिशें की गईं कि जिम्मेदारों को दंडित करने, सुरक्षा सुधार और तालमेल मजबूत करने की मांग की। चेयरमैन रैंड पॉल ने इसे 'पूरी विफलता' बताया। सीक्रेट सर्विस ने स्वीकार किया और सुधार शुरू किए। सीक्रेट सर्विस ने 2024 ट्रंप हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की चूक के बाद कई सुधारात्मक कदम उठाए, जिनमें एजेंटों पर कार्रवाई और प्रक्रियागत बदलाव शामिल हैं। ये कदम सीनेट रिपोर्ट (2025) के बाद तेज हुए।

वहीं, एजेंटों पर कार्रवाई हुई। 6 एजेंटों को सस्पेंड किया, 10-42 दिनों की सैलरी कटौती और गैर-ऑपरेशनल पदों पर स्थानांतरित। पूर्व डायरेक्टर किम्बर्ली चीटल ने इस्तीफा दिया। वहीं, प्रक्रियागत सुधार किए गए। स्थानीय पुलिस/एजेंसियों के साथ समन्वय, संचार और सुरक्षा मैनुअल को संशोधित। हवाई निगरानी के लिए अलग डिवीजन, खतरे मूल्यांकन में स्पष्ट जिम्मेदारियां। कांग्रेस ने राष्ट्रपति उम्मीदवारों के लिए सुरक्षा बढ़ाने वाला विधेयक पारित किया।

संपादकीय

चिट्टे के खिलाफ महिलाएं

आमतौर पर नशाखोरी के खिलाफ जब किसी गांव को ह्यरेड जोनह्न घोषित किया जाता है, तो यह आधिकारिक तौर पर एक सामाजिक चेतावनी होती है। लेकिन शिमला के कुछ हिस्सों में घोषित यह चेतावनी पुलिस या प्रशासन द्वारा नहीं, बल्कि उन महिलाओं द्वारा जारी की गई है जो परिवारों व समाज को नशे के नासूर से बचाना चाहती हैं। पति हो या बेटा, नशे की हर त्रासदी का त्रास महिलाएं ही भुगतती हैं। वह चाहे किसी अपने को असमय खोना हो या आर्थिक रूप से परिवारिक क्षति हो। यही वजह है कि नशे के खिलाफ अभियान को जमीनी हकीकत बनाने के मकसद से माताएं, बहनें और पत्नियां घर की चौखट से बाहर निकलकर सार्वजनिक रूप से मुखर हुई हैं। महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाले इस अभियान को गति देने के लिये सतर्कता समूह बनाये गए हैं। जिसमें नशे के कारोबार और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिये रात्रि गश्त भी शामिल है। साथ ही नशे की लत के शिकार लोगों को नशामुक्ति केंद्रों तक ले जाने में पहल की जा रही है। निस्संदेह, महिलाएं पुरुष व्यवहार को समझने में खासी संवेदनशील होती हैं। वे नशा करने वाले किसी पारिवारिक सदस्य के व्यवहार में बदलाव, भावनात्मक टूटन व नशे के कारण होने वाली आर्थिक तंगी पर पैनी दृष्टि रखती हैं। उनके व्यक्तिगत अनुभवों के फलस्वरूप वे आधिकारिक रिपोर्ट आने से पहले ही नशे की लत में जकड़े लोगों को पहचानने का प्रयास करती हैं।

निस्संदेह, जमीनी स्तर पर चलाए जा रहे इस अभियान के सार्थक परिणाम आने की उम्मीद जगी है। निर्विवाद रूप से पुलिस व प्रशासन की छापेमारी और गिरफ्तारियां नशे की आपूर्ति पर किसी हद तक अंकुश लगा सकती हैं, लेकिन टूट-बिखर रहे घरों को नहीं बचाया जा सकता। निस्संदेह, नशाखोरी के कई सामाजिक आयाम भी हैं, जिसे सामाजिक स्तर पर पहल करके रोका जा सकता है। रचनात्मक पहल से ही उन कारकों को संबोधित किया जा सकता है जो नशीले पदार्थों को बढ़ावा देते हैं। वाकई सामुदायिक स्तर पर सतर्कता बेहद जरूरी है और महिलाएं इसका नेतृत्व करने में सक्षम भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। सही मायनों में हिमाचल सरकार की ह्यचिट्टा विरोधी पदयात्राह्न और ह्यमहिला मंडलोंह्न की सार्थक पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इस रचनात्मक पहल को संस्थागत स्तर भी समर्थन देने की जरूरत है क्योंकि नशे के कारोबार में संगठित गिरोह भी गहरे तक जुड़े रहते हैं। ऐसे में मादक पदार्थों के तस्करों का सामना करने वाली महिलाओं को अपराधियों की धमकी आदि जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। जिसके लिये सक्रिय पुलिसिंग, गवाहों को सुरक्षा देने, नशा मुक्ति के लिए पुनर्वास सुविधाएं और लगातार जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी होगी। सेवाभाव के लिये प्रसिद्ध पंजाब के लोगों को भी इस रचनात्मक पहल का अनुकरण करना चाहिए। वाकई पंजाब में नशे की चुनौती खासी बड़ी है। युवाओं को नशे की दलदल से बचाने के लिये एक बड़ी पहल की जरूरत महसूस की जा रही है।

चिंतन-मनन

राजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे।

अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

दल-बदल की दस्तक और लोकतंत्र की अग्नि परीक्षा

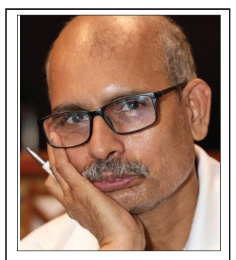

विनोद कुमार सिंह

वर्तमान के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में नैतिकता का प्रश्न – चुनावी सरगर्मियों के बीच सत्ता, सिद्धांत और स्वार्थ की टकराहट, क्या लोकतंत्र का असली 'राजा' अभी भी जागरूक मतदाता है?

वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य इस समय अस्थिरताओं, वैचारिक टकरावों और सत्ता-संतुलन के नए समीकरणों से गुजर रहा है। यदि भारतीय लोकतंत्र के भीतर झांका जाए तो यहाँ भी कम उथल-पुथल नहीं दिखती।देश के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों की गहमागहमी ने राजनीतिक तापमान को पहले ही ऊँचाई पर पहुँचा दिया है।इसी बीच आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों द्वारा पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लेना इस तापमान को भुचाल में बदलता प्रतीत हो रहा है। यह घटनाक्रम केवल एक दल से दूसरे दल में जाने भर का मामला नहीं है। यह भारतीय राजनीति की उस गहराई को उजागर करता है जहाँ सिद्धांत और स्वार्थ के बीच संघर्ष निरंतर जारी है।जब हम इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में जाते हैं, तो उस आंदोलन की स्मृति ताजा हो उठती है जिसने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा देने का दावा किया था।अन्ना हजारे के नेतृत्व में चला जनलोकपाल आंदोलन केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ एक आवाज नहीं था। वह एक नैतिक क्रांति का प्रतीक बन गया था।इसी आंदोलन की कोख से अरविन्द केजरीवाल ने एक राजनीतिक दल के रूप में आम आदमी पार्टी का निर्माण किया। यह एक ऐसा प्रयोग था जिसने पारंपरिक राजनीति को चुनौती देते हुए पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को अपने मूल सिद्धांतों में शामिल किया। दिल्ली की सत्ता में एक दशक तक बने रहना और राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना इस प्रयोग की सफलता का प्रमाण माना गया।किन्तु समय के साथ यह भी स्पष्ट होता गया कि आदर्शों की जमीन पर खड़ी राजनीति को सत्ता के गलियारों में टिकाए रखना सरल नहीं होता।आज जब उसी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद - जिनमें राघव चड्ढा और हरभजन सिंह जैसे चर्चित नाम शामिल हैं–दल बदलते हैं, तो यह केवल एक संगठनात्मक संकट नहीं रह जाता।यह उस वैचारिक प्रतिबद्धता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है जो कभी इस पार्टी की पहचान हुआ करती थी। इस पूरे घटनाक्रम पर अन्ना हजारे की प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण और विचारणीय है।उन्होंने जिस स्पष्टता के साथ दलबदल विरोधी कानून को सख्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया,वह केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। वह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की पुकार है।उनका यह कहना कि वर्तमान व्यवस्था में नेता व्यक्तिगत स्वार्थ के आधार पर पार्टी बदल लेते हैं,भारतीय राजनीति की एक कटु सच्चाई को सामने लाता है। यह सच्चाई किसी एक दल या व्यक्ति तक सीमित नहीं है। यह एक व्यापक प्रवृत्ति बन चुकी है जिसने लोकतांत्रिक मूल्यों को धीरे-धीरे क्षीण किया है।भारतीय संविधान की आत्मा समाज और राष्ट्र के कल्याण में निहित है।यह किसी राजनीतिक दल के हितों की रक्षा के लिए नहीं बना। जब राजनीति का केंद्र बिंदु सेवा से हटकर सत्ता और संसाधनों के नियंत्रण पर केंद्रित हो जाता है, तब ऐसे विचलन स्वाभाविक हो जाते हैं। अन्ना हजारे ने जिस 'सत्ता से पैसा और पैसे से सत्ता' के दुष्चक्र की बात कही,वह आज की राजनीति का यथार्थ चित्रण है। यह दुष्चक्र केवल भ्रष्टाचार को जन्म नहीं देता, बल्कि जनविश्वास को भी गहरी चोट पहुँचाता है।दल-बदल का यह प्रकरण हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हमारे लोकतंत्र में वैचारिक प्रतिबद्धता अब गौण होती जा रही है। क्या राजनीतिक दल केवल अवसरवादिता के मंच बनकर रह गए हैं। जब कोई नेता किसी विचारधारा के आधार पर जनता का समर्थन प्राप्त करता है और बाद में उसी विचारधारा को त्याग देता है, तो यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं होता। यह मतदाता के विश्वास के साथ एक प्रकार का विश्वासघात भी है। हालाँकि अन्ना हजारे ने इस घटनाक्रम में सीधे तौर पर सांसदों की आलोचना करने से परहेज किया।उन्होंने अंतिम जिम्मेदारी जनता पर डालते हुए उसे लोकतंत्र का 'राजा' बताया। यह दृष्टिकोण भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना को दशार्ता है जहाँ अंतिम शक्ति जनता के हाथ में निहित है। यदि मतदाता जागरूक और विवेकपूर्ण निर्णय ले, तो राजनीति में व्याप्त अनेक विसंगतियों को सुधारा जा सकता है।फिर भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न अनुत्तरित नहीं रहना चाहिए।क्या केवल मतदाता की जागरूकता ही पर्याप्त है। क्या राजनीतिक दलों और नेताओं की कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं बनती।लोकतंत्र केवल चुनावों का नाम नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और नैतिकता का समावेश अनिवार्य है। यदि इन मूल्यों की अनदेखी होती है,तो लोकतंत्र का ढाँचा भले ही कायम रहे,उसकी आत्मा धीरे-धीरे क्षीण हो जाती है।भारतीय राजनीति में दलबदल की समस्या नई नहीं है। साठ और सत्तर के दशक में यह प्रवृत्ति इतनी बढ़ गई थी कि इसे 'आया राम,गया राम' की संज्ञा दी गई। इसके बाद दलबदल विरोधी कानून लाया गया, लेकिन समय के साथ उसमें कई खामियाँ सामने आईं।आज आवश्यकता इस बात की है कि इस कानून को अधिक प्रभावी बनाया जाए,ताकि कोई भी जनप्रतिनिधि व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने जनादेश का दुरुपयोग न कर सके।

वर्तमान घटनाक्रम यह भी संकेत देता है कि आम आदमी पार्टी के भीतर पिछले कुछ समय से मतभेद और टकराव की स्थिति बनी हुई थी। यह दशार्ता है कि किसी भी राजनीतिक दल के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का सशक्त होना कितना आवश्यक है।जब संवाद और असहमति के लिए पर्याप्त स्थान नहीं होता,तब असंतोष अंततः विद्रोह का रूप ले लेता है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा इन सांसदों का स्वागत किया जाना भी एक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। हर राजनीतिक दल अपने विस्तार और मजबूती के लिए ऐसे अवसरों का उपयोग करता है। लेकिन यहाँ यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या केवल संख्या बल बढ़ाना ही राजनीति का उद्देश्य होना चाहिए, या फिर वैचारिक संगति और नैतिक आधार को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए।यह पूरा घटनाक्रम हमें लोकतंत्र के मूल प्रश्नों की ओर वापस ले जाता है। क्या हम केवल सत्ता परिवर्तन को ही लोकतंत्र मानते हैं,या उसके मूल्यों और आदर्शों को भी उतना ही महत्व देते हैं। क्या राजनीति केवल एक पेशा बनकर रह गई है,या यह अभी भी सेवा का माध्यम है।

आज जब देश के विभिन्न हिस्सों में चुनाव हो रहे हैं,ऐसे समय में मतदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आता है। यह संदेश है कि वे केवल वादों और नारों के आधार पर नहीं,बल्कि नेताओं के आचरण और उनकी वैचारिक प्रतिबद्धता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चयन करें,क्योंकि अंततः वही लोकतंत्र को मजबूत या कमजोर बनाता है।अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में उभरी राजनीति ने एक समय लोगों को यह विश्वास दिलाया था कि व्यवस्था को बदला जा सकता है। आज उसी व्यवस्था के भीतर इस प्रकार के घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि परिवर्तन की राह आसान नहीं होती। उसे बनाए रखना उससे भी अधिक कठिन होता है।यह समय केवल आलोचना या समर्थन का नहीं है।यह आत्ममंथन का समय है। राजनीतिक दलों को अपने भीतर झांकना होगा और यह देखना होगा कि वे अपने मूल सिद्धांतों से कितनी दूर चले गए हैं। मतदाताओं को भी यह तय करना होगा कि वे किस प्रकार की राजनीति को प्रोत्साहित करना चाहते हैं। अंततः लोकतंत्र की मजबूती किसी एक दल,एक नेता या एक घटना पर निर्भर नहीं करती।यह उस सामूहिक चेतना पर निर्भर करती है जो समाज के प्रत्येक नागरिक में विद्यमान होती है।यदि यह चेतना जागृत और सक्रिय रहती है,तो कोई भी दुष्चक्र अधिक समय तक टिक नहीं सकता। आज जब भारतीय राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी है,तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम केवल घटनाओं को देखने तक सीमित न रहें।हमें उनके पीछे छिपे संकेतों को भी समझना होगा। यही समझ हमें एक बेहतर,सशक्त और नैतिक लोकतंत्र की ओर ले जा सकती है जहाँ सत्ता नहीं,बल्कि सिद्धांत सर्वोपरि हों।

बिहार में बीजेपी का अपना मुख्यमंत्री आखिर राज क्या है

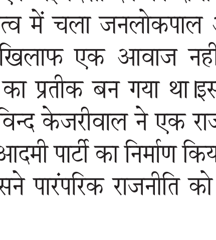

संजय गोस्वामी

बिहार में लगता है कहीं फिर होगा सुशासन की जगह कूशासन ना हो जाए क्योंकि नीतीश सरकार सेवामुक़्त हो चुकी है और वहाँ की विपक्ष हमलावर दिखाई दे रही है आखिर इसके पीछे की मंशा क्या थी ये सभी को मालूम थी कि बीजेपी अपना मुख्यमंत्री चाहती है मुख्यमंत्री की रेश में नित्यानंद राय का भी नाम था जो अच्छा आदमी है बोलचाल की भाषा में, बिहार में जिस तरह से नीतीश कुमार को मुख्य मंत्री पद से सेवामुक़्त किया गया और राज्यसभा का सांसद के लिए मनाया गया और फिर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बनाया गया इससे छोटे दलों में ही नाराजगी नहीं है बल्कि बीजेपी का एक बड़ा वर्ग भी इससे नाराज है इसके पहले पूर्व में ऊर्जा मंत्री रह चूके डॉ आर के सिंह ने सम्राट चौधरी को लेकर सवाल किये वो पार्टी को लेकर बेहद चिंताजनक बात है खासकर बिहार को लेकर बीजेपी कई चेहरा थे जो साफ छवि और पढ़े लिखें थे और वर्षो का तजुर्बा था जैसे श्री नन्द किशोर यादव, वहाँ के बीजेपी के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी जो पूर्व में वाजपेयी सरकार में सिविल एविएशन मिनिस्टर थे सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाना समझ से बाहर है क्योंकि उनके

बोल चाल की भाषा पढ़े लिखे लोगों को पसंद नहीं आती है और शायद बाद में बिहार में बीजेपी को नुकसान हो सकता है नीतीश कुमार ने जानबूझकर उन्हें बनाने पर जोर दिया ताकि सम्राट चौधरी फिर कोई हरकत करेंगे और इसका खामियाजा बीजेपी को अगले चुनाव में क्या बंगाल के चुनाव में ही देखने को मिलेगा जहाँ ममता दीदी की सरकार पूर्ण बहुमत से बन रही है जिसमें निर्णायक भूमिका महिलाओ की होंगी और बिहार के सीएम नीतीश कुमार जिस तरह बिहार में महिलाओ को एक सम्मान दिया इससे पश्चिम बंगाल में असर दिखेगा क्योंकि बिहार और बंगाल की सीमा सटी है जहाँ तक कुर्मी वोटर का सवाल है वो भी पश्चिम बंगाल में एंटी बीजेपी को गया है जिसकी संख्या काफी अधिक है इसलिए नीतीश कुमार ने बंगाल चुनाव से पहले ही खेल कर दिया और यूपी में भी बाद में असर आएगा आखिर बिहार में नीतीश कुमार को हटाने की जरुरत क्या थी स्वास्थ्य को लेकर जहाँ तक बात है तो राज्यसभा के सांसद भी नहीं बनाना चाहिए और क्या केंद्र में कोई अहम मंत्रालय मिलेगा सब तो भर गए फूड या उससे सम्बंधित मंत्रालय ही मिलेगा जो नीतीश कुमार लेंगे नहीं जहाँ तक बिहार के विकास की बात है तो बुलडोजर से विकास नहीं होगा क्योंकि इससे गरीबो का रोजगार चौपट होता है जब ईरान में घायल मुर्तजा खामनोई बेड पर रहकर भी ईरान की सत्ता चला रहे हैं और आईआरजीसी और वहाँ के मंत्री में टकराव देखने को मिला है उससे ऐ साफ जाहिर है कि देश या राज्य चलाऐ रखने हेतु हेल्थ कोई मुद्दा नहीं होता निर्णय लेना ही महत्वपूर्ण होता है और जिस तरह नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री थे तब बिहार में इन्वेस्टमेंट के कई फाइल को रिजेक्ट किया था जो उनके हिसाब से बिहार जैसे गरीब राज्य में अगर इन्वेस्टमेंट हुआ तो तोड़फोड़ होगा जमीनों पर कब्जा होगा और गरीबों को नुकसान होगा इसलिए बिहार में बीजेपी ने नीतीश कुमार को राज्यसभा में लाकर सेल्फ गोल कर लिया है जोड़ तोड़ की राजनीति ज्यादा दिनों तक नहीं चलती और दूसरे के घर में झंकाना सही नहीं है इससे समय बर्बाद होता है और व्यक्तिगत आरोप लगता है जो राजनीति में गलत है अब आमआदमी पार्टी के 3 राज्यसभा सांसद आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में गए हैं सही नहीं है आपको कभी किसी पार्टी ने विश्वास में लिया है तो धोखा देना सही नहीं है अब केजरीवाल के घर का वीडियो दिखाया जा रहा है और बीजेपी आरोप लगा रही है कि इतना बड़ा महल कैसे बनाया, ये व्यक्तित आरोप है इससे बचना चाहिए क्योंकि जब भी माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदीजी के ऊपर जब भी किसी बिपक्षी पार्टी ने व्यक्तित आरोप लगाएं हैं तब तब उस पार्टी का बहुत नुकसान हुआ है अतः राजनीति में व्यक्तित आरोप से बचना चाहिए। दरअसल बिहार में बीजेपी का अपना मुख्यमंत्री ऐसा चाहिए जो बीजेपी के हाई कमान की बात को माने और सही गलत जो भी हो उसकी मयार्दा का पालन करना है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा देने पहुंची छात्रा का गुम हुआ मोबाइल

पुलिस ने खोजबीन कर किया बरामद,छात्रा के पिता को सौंपा

अमरोहा (सब का सपना):- अमरोहा जनपद में होमगार्ड की भर्ती परीक्षा देने पहुंची एक छात्रा का मोबाइल फोन कहीं गिर गया जिससे वह काफी परेशान हो गई। इस मामले में सूचना प्राप्त होने पर यातायात प्रभारी द्वारा तत्परता दिखाते हुए खोजबीन कर मोबाइल फोन बरामद किया गया और छात्र के पिता को सौंप दिया गया।

बता दें कि सोमवार को छात्रा प्राची पुत्री सुरेन्द्र सिंह, उम्र लगभग 21 वर्ष, निवासी ग्राम धनौरी थाना कोतवाली देहात जनपद बिजनौर, जनपद अमरोहा स्थित सिख इंटर कॉलेज में आयोजित होमगार्ड भर्ती परीक्षा-2026 में सम्मिलित होने हेतु आई थी।इस दौरान परीक्षा केंद्र जाते समय छात्रा का मोबाइल फोन रास्ते में कहीं गिर गया, जिससे वह काफी परेशान हो गई। उक्त सूचना प्राप्त होने पर यातायात प्रभारी राजेन्द्र सिंह द्वारा तत्परता दिखाते हुए टीपी नगर क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की सहायता से तत्काल खोजबीन कर छात्रा का मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया।बरामद मोबाइल को नियमानुसार छात्रा के पिता सुरेन्द्र सिंह के सुपुर्द कर दिया गया।

मोबाइल सुरक्षित मिलने पर छात्रा एवं उसके परिजनों द्वारा अमरोहा यातायात पुलिस की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया।अमरोहा यातायात पुलिस द्वारा इस प्रकार की त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही जनसहयोग एवं पुलिस की सकारात्मक छवि को दशार्ती है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा-2026 के दृष्टिगत विभिन्न परीक्षा केदो का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को लखन सिंह यादव, पुलिस अधीक्षक अमरोहा एवं नितिन गौड़, जिलाधिकारी अमरोहा द्वारा जनपद में आयोजित होमगार्ड भर्ती परीक्षा-2026 के दृष्टिगत विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की चेकिंग, प्रवेश व्यवस्था एवं समुचित निगरानी व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित रहे तथा संदिग्ध व्यक्तियों/गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखी जाए। जिलाधिकारी ने भी समस्त व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाए रखने एवं अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए। जनपद पुलिस एवं प्रशासन द्वारा परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

मंडी धनौरा पुलिस ने शांति भंग की आशंका में छः को किया गिरफ्तार,न्यायालय भेजा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मंडी धनौरा पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए शांति भंग की आशंका में छः अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा है यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश अनुसार की गई है।

बता दें कि मंडी धनौरा प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने विभिन्न क्षेत्रों से इन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।पुलिस के अनुसार क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह कार्यवाही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता इठरर की धारा 170, 126 व 135 के तहत की गई है, गिरफ्तार अभियुक्तों पर क्षेत्र में उपद्रव और अशांति फैलाने की आशंका थी। वहीं गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में ग्राम कंजरबसेड़ा और स्थानीय कस्बे के लोग शामिल हैं। जिसमें मुरेंद्र पुत्र धारा सिंह, राजेंद्र पुत्र बलदेव सिंह ,बाबूराम पुत्र छोटे सिंह, दीनदयाल पुत्र हरि सिंह और मुकेश पुत्र छोटे यह सभी लोग ग्राम कंजरबसेरा के निवासी हैं इनके अलावा विकास शर्मा पुत्र संजय कुमार शर्मा मोहल्ला शिवपुरी कस्बा मंडी धनौरा को भी गिरफ्तार किया गया है।

इस कार्यवाही को अंजाम देने वाली टीम में मुख्य रूप से नीरज कुमार, जगन प्रकाश ,अनुज कुमार, और अभिषेक कुमार शामिल रहे। पुलिस ने सभी अभिलेखों को गिरफ्तार करने के बाद वैधानिक प्रक्रिया पुरी की और उन्हें उपजिला अधिकारी धनौरा के समक्ष प्रस्तुत किया गया ।न्यायालय के आदेश पर सभी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह ने बताया कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी शांति भंग करने वालों के विरुद्ध इसी प्रकार से कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

डीएम ने गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण की तैयारियों को लेकर कार्यक्रम स्थल पर की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों द्वारा 29 अप्रैल 2026 को गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के अवसर पर जनपद अमरोहा में भव्य जनसभा एवं कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जनसभा होगी तथा बड़ी एलईडी स्क्रीन पर लोकार्पण समारोह का सीधा प्रसारण किया जाएगा। जिलाधिकारी नितिन गौड़ की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की उपस्थिति में आज तहसील हसनपुर के ग्राम मंगरौला में एक्सप्रेसवे के निकट कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि कार्यक्रम स्थल पर आमजन के लिए बड़ी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लोकार्पण समारोह का सजीव प्रसारण किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बन सकें। कार्यक्रम स्थल पर 5000 लोगों के बैठने की सुविधाजनक व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में जिला प्रभारी मंत्री केपी मलिक एवं जनपद के जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहेंगे।

जिलाधिकारी नितिन गौड़ ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, मोबाइल टॉयलेट, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं को पूर्ण रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पंडाल में विद्युत और अग्नि सुरक्षा ऑडिट कराने के भी निर्देश दिए। डीएम ने सभी अधिकारियों को मनोयोग से कार्य करने और कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अप्रैल को हरदोई जिले से 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। यह एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों – मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज – को जोड़ेगा।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, परियोजना निदेशक डीआरडीए अंबरीश कुमार, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी गिरीश कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज त्यागी, तहसीलदार लकी सिंह, जिला सूचना अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रात्रि में बिना अनुमति मिट्टी खनन करने पर भू-स्वामी व अन्य अज्ञात खननकताओं पर मुकदमा दर्ज

अमरोहा (सब का सपना):- जिला खान अधिकारी के0बी0 सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि दिनांक-26.04.2026 को मध्य रात्रि को दूरभाष पर मिट्टी खनन की शिकायत के कम में खनन अधिकारी अमरोहा द्वारा राजस्व टीम के साथ तहसील हसनपुर के ग्राम सुल्तानठैर मौहम्मदपुर के गाटा संख्या-56 रकबा 0.227 हे0 का स्थलीय एव अभिलेखीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि उक्त गाटा संख्या जोत चकबंदी आकार पत्र-41, 45 में खाता संख्या-217 पर छत्तरपाल पुत्र देवकी, श्रीमती ननिहा पत्नी देवकी निवासी ग्राम सुल्तानठेर मौहम्मदपुर के नाम संक्रमणीय भूमिघर श्रेणी 1क दर्ज है, में से 53 मीटर लम्बाई, 27 मीटर चौडाई व 0.70 मीटर गहराई कुल लगभग 1002 घनमीटर मिट्टी का अवैध खनन / परिवहन किया हुआ पाया गया। खनन एवं परिवहन करने वाला कोई वाहन मौके पर नही पाया गया।

उक्त गाटा संख्या में मिट्टी खनन / परिवहन करने में सक्षम स्तर से अनुमति प्राप्त नही किये जाने के कारण खनन विभाग अमरोहा द्वारा थाना गजरौला में भू-स्वामी व अन्य अज्ञात खननकताओं पर खनन नियमों के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज कराया गया। जनपद के अन्तर्गत बिना अनुमति के मिट्टी खनन करने वाले खननकर्ताओ को बख्सा नही जायेगा एवं आगे भी कार्यवाही जारी रहेगी।

हसनपुर विधानसभा में महिलाओं का आक्रोश, सपा-कांग्रेस पर नारी शक्ति का अपमान करने का आरोप

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विधानसभा 42 हसनपुर में महिलाओं ने जन आक्रोश महिला पदयात्रा निकाली, जिसमें उन्होंने सपा और कांग्रेस पर नारी शक्ति का अपमान करने का आरोप लगाया। महिलाओं ने "सपा कांग्रेस की पहचान नारी शक्ति का अपमान व सपा की साइकिल कांग्रेस का हाथ नारी शक्ति के खिलाफ जनता नहीं करेगी माफ" जैसे स्लोगन लिखे बैनरों के साथ पदयात्रा निकाली। पदयात्रा के दौरान महिलाओं ने सपा और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि ये पार्टियां नारी शक्ति का अपमान करती हैं और उनके खिलाफ हैं। महिलाओं ने कहा कि वे इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेंगी और इन पार्टियों को सबक सिखाएंगी। पदयात्रा में शामिल महिलाओं ने कहा कि वे नारी शक्ति की रक्षा के लिए एकजुट हैं और किसी भी कीमत पर अपने अधिकारों से समझौता नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि वे आगामी चुनावों में इन पार्टियों को सबक सिखाएंगी और नारी शक्ति का सम्मान करने वाली पार्टियों को समर्थन देंगी।

दलित हिस्ट्री मंथ के अंतर्गत 27 से 29 अप्रैल तक तीन दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली (सब का सपना):- दलित हिस्ट्री मंथ के अवसर पर सृजन साहित्य संवाद की ओर से बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन 14 अप्रैल के उपलक्ष्य में 27, 28 और 29 अप्रैल को तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य बाबा साहेब के विचारों, बहुजन आंदोलन और दलित साहित्य की समृद्ध परंपरा को व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श के केंद्र में लाना है, ताकि नई पीढ़ी इन विचारों से जुड़ सके और समकालीन संदर्भों में उनकी प्रासंगिकता को समझ सके।

संगोष्ठी के पहले दिन (27 अप्रैल) को बाबा साहेब के मिशन के समर्पित सिपाही, प्रख्यात दलित-बहुजन चिंतक एवं साहित्यकार बुद्ध शरण हंस को समर्पित किया जाएगा। इस सत्र में जया कुमारी, अरुण नारायण, मुसाफिर बैठा, अजय यतीश और विक्रांत कुमार जैसे वक्ता उनके जीवन, लेखन, वैचारिक प्रतिबद्धता और सामाजिक न्याय के लिए किए गए संघर्षों पर अपने विचार साझा करेंगे। वक्ताओं द्वारा हंस के बौद्ध दर्शन, अंबेडकरवादी दृष्टि और बहुजन समाज के लिए उनके योगदान को विस्तार से रेखांकित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी की संयोजिका अनिता भारती करेंगी।

दूसरे दिन (28 अप्रैल) का सत्र दलित साहित्य के चार महत्वपूर्ण उपन्यासों पर केंद्रित होगा, जिसमें साहित्यिक विमर्श के माध्यम से दलित अनुभवों, संघर्षों और सामाजिक यथार्थ की गहन पड़ताल की जाएगी। इस सत्र में डॉ. नीलम रानी, डॉ. रजनी दिसोदिया, ह्यसमय संज्ञानह्न पत्रिका के संपादक वेदप्रकाश तथा स्त्रीवादी चिंतक एवं साहित्यकार अनिता भारती भाग लेंगी। यह चर्चा न केवल साहित्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगी, बल्कि दलित विमर्श के बदलते आयामों को समझने का भी अवसर प्रदान करेगी।

कार्यक्रम के अंतिम दिन (29 अप्रैल) को बाबा साहेब के बहुआयामी व्यक्तित्व–जैसे उनके सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक और संवैधानिक योगदान–पर केंद्रित विस्तृत चर्चा आयोजित की जाएगी। इस सत्र में प्रिया गोस्वामी, सचिन धींगिया, जयप्रकाश, भिक्खुनी विजया मैत्रीय और रामजी यादव अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। वक्ता बाबा साहेब के विचारों की समकालीन प्रासंगिकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक न्याय की अवधारणा पर भी प्रकाश डालेंगे।

इस पूरे आयोजन की संयोजिका के रूप में अनिता भारती की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी, जिनके नेतृत्व में यह राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जा रही है। उनके मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम न केवल एक अकादमिक मंच के रूप में, बल्कि वैचारिक संवाद और सामाजिक बदलाव की दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में सामने आ रहा है।

आयोजकों के अनुसार, यह संगोष्ठी बाबा साहेब के विचारों को पुनः स्मरण करने के साथ-साथ उन्हें वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। देशभर से जुड़ने वाले प्रतिभागियों, शोधार्थियों, साहित्यकारों और सामाजिक कार्यकताओं के लिए यह संवाद एक साझा मंच प्रदान करेगा, जहां विचारों का आदान-प्रदान होगा और सामाजिक न्याय की दिशा में नई संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी।

मंडी धनौरा तहसील पर गौ रक्षा परिषद का प्रदर्शन,गौ तस्करी और गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंडी धनौरा तहसील परिसर में अखिल भारतीय हिंदू परिषद की गौ रक्षा परिषद ने सोमवार को प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने और गौ संरक्षण के लिए कठोर कानून बनाने की मांग की, उन्होंने प्रधानमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन तहसीलदार मूसाराम थारू को सौंपा। परिषद के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश गोला के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता तहसील परिसर में पहुंचे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से गौ संरक्षण के लिए सख्त कानून बनाने की अपील की। तहसील परिसर में जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश गोला ने कहा कि सनातन संस्कृति में गाय का स्थान सर्वोच्च है लेकिन आज भी गौवंश सुरक्षित नहीं है उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से कई प्रमुख मांगे रखी। इन मांगों में गौ माता को तत्काल प्रभाव से राष्ट्र माता घोषित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त गौ तस्करी और गौ वंश की हत्या में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ गैर जमानती धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान करने की मांग की गई। परिषद ने देशभर में चल रहे अवैध कसाई खानों और वधशालाओं को पूर्णतया बंद कर कठोर कानूनी कार्यवाही करने की भी मांग की। बेसहारा गौवंश के उचित संरक्षण और भरण पोषण के लिए सरकार द्वारा केंद्रीय गौशालाओं का निर्माण करने की भी अपील की गई। ओमप्रकाश गोला ने कहा कि गौ रक्षा केवल एक धार्मिक विषय नहीं बल्कि हमारी आस्था और राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक है। जब तक गौ-तस्करी पर पूर्ण विराम नहीं लगता और दोषियों को सख्त सजा नहीं मिलती हमारा आंदोलन जारी रहेगा ।ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन की एकजुटता दिखाई दी, वहीं इस अवसर पर कृष्ण सैनी, शंकर लाल सैनी ,नेपाल सिंह, राजवीर सिंह, बलवीर सिंह ,दुष्यंत चौधरी, आदर्श कुमार सहित दर्जनों से अधिक संगठन के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

रजबपुर में सड़क हादसा,ट्रक ने डीसीएम को मारी टक्कर,दोनों वाहन क्षतिग्रस्त

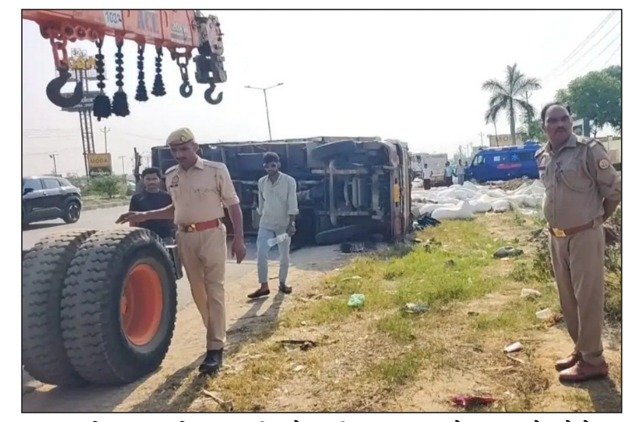

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना रजबपुर क्षेत्र में सोमवार को जलालपुर कलां गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने डीसीएम को जोरदार टक्कर मार दी इस हादसे में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना दिल्ली से मुरादाबाद की दिशा में जाते समय हुई। डीसीएम में पशुओं का चोकर भरा हुआ था टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चोकर सड़क पर बिखर गया। जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। वहीं घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू करते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी ।पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से वमुश्किल हटवाया जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। इस हादसे में यह गनिमत रही कि आसपास से गुजर रहे लोगों या अन्य वाहनों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। स्थानीय लोगों के अनुसार हादसे के बाद ट्रक चालक और परिचालक मौके से फरार हो गए पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

केनरा बैंक आरसेटी बहजोई में डेयरी एवं वर्मी कम्पोस्ट प्रशिक्षण बैच शुरू

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रशिक्षुओं के लिए 25 अप्रैल से बहजोई स्थित केनरा बैंक आरसेटी द्वारा डेयरी एवं वर्मी कम्पोस्ट प्रशिक्षण बैच का शुभारंभ किया गया।

बैच का उद्घाटन करते हुए सीबीआर सेटी के निदेशक विनीत तिवारी ने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की समस्या को कम करना और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि डेयरी एवं वर्मी कम्पोस्ट जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से प्रतिभागियों को पशुपालन और जैविक खेती की आधुनिक तकनीकों की जानकारी मिलेगी। साथ ही उन्होंने आरसेटी के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

प्रशिक्षण के दौरान डोमेन स्किल ट्रेनर (डीएसटी) चंद्रशेखर (पीलीभीत) ने प्रशिक्षुओं को पशुओं की उन्नत नस्लों, अच्छे पशु की पहचान, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के तरीकों तथा दूध प्रौद्योगिकी (स्मार्ट डेयरी) के बारे में विस्तार से बताया।प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों ने उत्साह व्यक्त करते हुए इसे अपने भविष्य के लिए उपयोगी बताया। यह कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने में सहायक साबित हो रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई को सफल बनाने हेतु बैंक प्रबंधकों के साथ बैठक आयोजित

चंदौसी/संभल(सब का सपना): उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुपालन एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संभल के आदेशानुसार आगामी 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संभल (चंदौसी) के विश्राम कक्ष में प्रभारी सचिव की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें जनपद के समस्त बैंक शाखा प्रबंधकगण उपस्थित रहे।

बैठक में प्रभारी सचिव आदित्य सिंह ने राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोन एवं बैंकिंग मामलों का निस्तारण सुलह-समझौते के माध्यम से किया जाए। उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने स्तर पर वादकारियों से समन्वय स्थापित कर मामलों को लोक अदालत में लाकर निस्तारित कराएं, जिससे लंबित प्रकरणों का शीघ्र समाधान संभव हो सके।

उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु वादकारियों, बैंक अधिकारियों एवं संबंधित विभागों के साथ समय-समय पर बैठकें आयोजित की जाएंगी, ताकि अधिकाधिक मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके और लोक अदालत को सफल बनाया जा सके।

बैठक में एलडीएम संभल ललित विजय राय, पंजाब नेशनल बैंक चंदौसी से सूरज रावत, बैंक ऑफ बड़ौदा से कमल कुमार, इंडियन बैंक से आशुतोष रावत, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से परितोष, यूपी ग्रामीण बैंक से अनिल सिंह तथा बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक सहित अन्य बैंक अधिकारी मौजूद रहे। इस संबंध में जानकारी प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संभल आदित्य सिंह द्वारा दी गई।

गंगा एक्सप्रेसवे उद्घाटन से पूर्व पुलिस अधिकारियों ने लिया तैयारियों का जायजा

संभल(सब का सपना):- आगामी गंगा एक्सप्रेसवे उद्घाटन कार्यक्रम के मद्देनजर जनपद में सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) मनोज कुमार रावत ने क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के साथ कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के सबसे लंबे 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम हरदोई जिले के मल्लावां में आयोजित होगा। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से मेरठ से प्रयागराज के बीच की दूरी मात्र 6 से 8 घंटे में तय की जा सकेगी। साथ ही यह एक्सप्रेसवे 12 जिलों और 500 से अधिक गांवों को आपस में जोड़ेगा, जिससे प्रदेश के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- गौ सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत सोमवार को तहसील चंदौसी में युवाओं एवं कार्यकताओं ने उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और अभियान के समर्थन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

ज्ञापन के माध्यम से केंद्र एवं प्रदेश सरकार से मांग की गई कि गौ माता को राष्ट्रव्यापी स्तर पर राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने हेतु संविधान में आवश्यक प्रावधान किए जाएं। साथ ही गौ संरक्षण, संवर्धन एवं सेवा के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया गया।

अभियान से जुड़े लोगों ने कहा कि यह केवल आस्था का विषय नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी गहराई से जुड़ा हुआ है।

गौ माता का सम्मान, राष्ट्र के सम्मान से जुड़ा विषय है, इसलिए इस दिशा में ठोस पहल आवश्यक है। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने एकजुटता दिखाते हुए अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया और अधिक से अधिक लोगों से जुड़कर इसे जनआंदोलन बनाने की अपील की। उपस्थित प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए आयोजकों ने कहा कि सभी के सहयोग से यह अभियान और मजबूत होगा।

जनगणना को लेकर खिरनी मोइनुद्दीनपुर में कार्यशाला आयोजित, स्व-गणना के लिए किया प्रेरित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनगणना-2027 के सफल संचालन को लेकर जनपद में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में विकासखंड पवांसा के ग्राम खिरनी मोइनुद्दीनपुर में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) संभल द्वारा स्व-गणना (Self-Enumeration) को प्रोत्साहित करने हेतु कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में ग्रामीण आजीविका मिशन की समूह सखियां, ग्रामवासी, सहायक विकास अधिकारी (ग्राम विकास), ब्लॉक मिशन मैनेजर एवं अन्य पंचायत कर्मी मौजूद रहे। प्रशिक्षण के दौरान सीडीओ ने जनगणना-2027 की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की जाएगी। उन्होंने बताया कि स्व-गणना की प्रक्रिया 7 मई से शुरू होकर 21 मई तक चलेगी। इस दौरान प्रत्येक नागरिक https://se.census.gov.in पोर्टल पर जाकर 16 भाषाओं में से अपनी सुविधा अनुसार भाषा चुनकर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देकर स्वयं अपनी गणना कर सकता है।

सीडीओ ने बताया कि स्व-गणना पूर्ण होने के बाद संबंधित व्यक्ति को मोबाइल पर एक रएक्ऊप्राप्त होगी, जिसे जनगणना अधिकारी या प्रगणक के घर आने पर दिखाना होगा। इससे दोबारा जानकारी देने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, जिससे समय की बचत के साथ-साथ सूचनाओं की सटीकता भी सुनिश्चित होगी।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक लोगों को स्व-गणना के लिए प्रेरित करें, ताकि जनगणना का कार्य सरल, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से संपन्न हो सके।

बिजली घर पर किसानों की बैठक, समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

धनारी/संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के बैनर तले सोमवार को जनपद के धनारी बिजली घर पर किसानों एवं स्थानीय लोगों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अघोषित बिजली कटौती, स्मार्ट मीटर से जुड़ी दिक्कतें, एसडीओ व जेई द्वारा आम जनता के साथ अभद्र व्यवहार तथा काम के नाम पर सुविधा शुल्क लेने जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।

बैठक में नायब तहसीलदार उदयवीर सिंह, थाना प्रभारी धनारी अखिलेश प्रधान, संबंधित एसडीओ व जेई भी पहुंचे, जहां किसानों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। इस दौरान अधिकारियों के साथ विस्तृत वार्ता कर समस्याओं के समाधान की मांग की गई।

किसानों की ओर से संबंधित मुद्दों को लेकर एक ज्ञापन भी सौंपा गया। मौके पर ही कुछ समस्याओं का समाधान कर दिया गया, जबकि शेष समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारियों ने 15 दिन का समय मांगा है।

किसानों ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आगे आंदोलन किया जाएगा।

भाजपा का जन आक्रोश महिला सम्मेलन, नारी शक्ति बंधन अधिनियम पर जोर

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के आवाहन पर नारी शक्ति बंधन अधिनियम के तहत महिलाओं के अधिकार, सुरक्षा और सम्मान को सशक्त करने के उद्देश्य से जन आक्रोश महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं और कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य सत्यपाल सिंह सैनी रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा महिला मोर्चा पश्चिम क्षेत्र की क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मोनिका पंडित उपस्थित रहीं। वहीं क्षेत्रीय विधायक एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी का विशेष सानिध्य भी कार्यक्रम को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह ने की और संचालन मोक्षिका शर्मा ने किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सत्यपाल सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देती है। उन्होंने नारी शक्ति बंधन अधिनियम को महिलाओं को राजनीतिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। साथ ही विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने महिलाओं के अधिकारों की अनदेखी की।

विशिष्ट अतिथि मोनिका पंडित ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं और भाजपा सरकार ने उन्हें आगे बढ़ाने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने महिला कार्यकताओं से अपील की कि वे सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दें।

कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके अधिकारों की रक्षा को लेकर सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों और उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के बाद महिलाओं ने जन आक्रोश पदयात्रा निकालकर ब्लॉक बनियाखेड़ा के मुख्य द्वार पर विपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया। सम्मेलन में भाजपा की कई महिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहीं।

सीता नवमी पर कार्यक्रम आयोजित, मातृशक्ति ने लिया प्रेरणा का संकल्प

हयातनगर/संभल(सब का सपना):- विश्व हिंदू परिषद की मातृशक्ति जिला संयोजिका दीपा बाष्णेय के नेतृत्व में सोमवार को सीता नवमी के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ह्यॐह्न के उच्चारण के साथ हुई और समापन आरती के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने माता सीता के जीवन, उनके आदर्शों और त्याग पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि माता सीता त्याग, समर्पण, प्रेम, धैर्य, साहस और पवित्रता की प्रतिमूर्ति हैं और हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। दुर्गा वाहिनी की प्रखंड संयोजिका सोनी ने कहा कि माता सीता का जीवन महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है, जो हर परिस्थिति में अपने संस्कारों और मूल्यों पर अडिग रहीं।

मुख्य वक्ता दीपा बाष्णेय ने नारी सशक्तिकरण पर अपने विचार रखते हुए कहा कि सशक्तिकरण केवल बाहरी शक्ति नहीं, बल्कि आत्मबल, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सम्मान से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि माता सीता का जीवन हमें सिखाता है कि एक सशक्त नारी वही है, जो अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए भी आत्मसम्मान बनाए रखे।

उन्होंने कहा कि आज के समय में हर महिला देश की प्रगति की कुंजी है और उन्हें समान अवसर, शिक्षा और सम्मान देना आवश्यक है, तभी सशक्त समाज और राष्ट्र का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में सुधा, शशिवाला, मंजू, रितिका, पुष्पा देवी, सुमन, प्रीति, नीति, किरण देवी, निर्मल, छाया, रीता आर्य, कामिनी, माधवी, रिचा, राजेश्वरी, स्नेह लता सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

सीएम के प्रस्तावित दौरे को लेकर बिजनौर में तैयारी तेज, डीएम ने अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में 2 मई को प्रस्तावित मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित कर तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, उप कृषि निदेशक डॉ. घनश्याम सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए दिनकर भारती, डीसी एनआरएलएम योगेंद्र यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक जयकरण यादव समेत कई विभागों के

अधिकारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान प्रस्तावित शिलान्यास एवं लोकार्पण परियोजनाओं की विस्तृत सूची तैयार की जाए। साथ ही हर कार्य के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्यक्रम के दौरान कोई अव्यवस्था न हो।

डीएम ने कृषि उपनिदेशक को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर ऑर्गेनिक उत्पाद, फूल एवं सब्जियों के आकर्षक स्टॉल लगाए जाएं और कृषि योजनाओं के लाभार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा परियोजना निदेशक डीआरडीए, उपायुक्त उद्योग व अन्य संबंधित विभागों को भी अपने-अपने स्टॉल लगाने और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को कार्यक्रम स्थल पर लाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने दायित्वों का गंभीरता और सजगता के साथ निर्वहन करें, ताकि मुख्यमंत्री का प्रस्तावित कार्यक्रम सुचारू और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

प्रशासनिक स्तर पर तैयारियों ने गति पकड़ ली है और अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं, जिससे कार्यक्रम को सफल बनाने की दिशा में काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बिजनौर में रेहड़ी-पटरी वालों के लिए सुनहरा मौका

पीएम स्वनिधि योजना के तहत 50 हजार तक का लोन, आवेदन निःशुल्क

बिजनौर (सब का सपना):- शहर और कस्बों में रोजी-रोटी कमाने वाले रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं के लिए राहत भरी खबर है। उप जिलाधिकारी एवं परियोजना अधिकारी डूडा बिजनौर वंदना कुशवाहा ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्र व राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना जनपद के सभी स्थानीय निकायों और 7 चयनित सेन्सस टाउन में प्रभावी रूप से संचालित की जा रही है।

इस योजना के तहत पथ विक्रेताओं को अपना काम बढ़ाने के लिए बिना किसी मार्जिन मनी के आसान ऋण उपलब्ध कराया जाता है। प्रथम चरणः ₹15,000, द्वितीय चरणः ₹25,000, तृतीय चरणः ₹50,000 यह ऋण बैंकों के

माध्यम से दिया जाता है, जिससे छोटे कारोबारियों को आर्थिक मजबूती मिल सके।

योजना जनपद के सभी नगर निकायों के साथ-साथ रशीदपुर, गढ़ी (ब्लॉक मोहम्मदपुर देवमल), कोतवाली, तातारपुर लल्लू (ब्लॉक नजीबाबाद), अल्हैपुर, हुसैनपुर (ब्लॉक धामपुर), सदरूद्दीन नगर (ब्लॉक नहटौर) और बास्टा (ब्लॉक जलीलपुर) जैसे सेन्सस टाउन में भी लागू है।

योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक के पास निम्न दस्तावेज होना जरूरी हैः आधार कार्ड (मोबाइल नंबर से लिंक), बैंक पासबुक, चालू मोबाइल नंबर।

आवेदन संबंधित नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत या सेन्सस टाउन कार्यालय में निःशुल्क किया जा सकता है। किसी भी प्रकार की फीस नहीं ली जाती। इस योजना के लाभार्थियों को केंद्र सरकार की 8 अन्य योजनाओं से भी जोड़ा जाएगा, जिनमें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, श्रमयोगी मानधन योजना, जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और वन नेशन वन राशन कार्ड जैसी योजनाएं शामिल हैं।

अधिक जानकारी के लिए लाभार्थी अपने नजदीकी नगर निकाय, खंड विकास अधिकारी कार्यालय या विकास भवन स्थित डूडा कार्यालय (कमरा संख्या 301) में संपर्क कर सकते हैं। सरकार की यह योजना छोटे व्यापारियों के लिए आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो रही है।

बिजनौर में पूर्व विधायक समेत 13 पर मुकदमा दर्ज, करोड़ों की जमीन हड़पने का आरोप

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में जमीन हड़पने के एक बड़े मामले में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए पूर्व विधायक मोहम्मद गाजी समेत 13 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई शेरकोट क्षेत्र में सहकारी आवास समिति की जमीन से जुड़े कथित घोटाले को लेकर की गई है, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है। शिकायतकर्ता शाहिद अली ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को दी तहरीर में आरोप लगाया कि शेरकोट सहकारी आवास समिति लिमिटेड की करीब 25 बीघा जमीन को सुनियोजित तरीके से फजीर्वाड़ा कर हड़प लिया गया। आरोप है कि वर्ष 1989 में समिति ने जमीन खरीदने के लिए 3.45 लाख रुपये का भुगतान किया था, लेकिन बाद में समिति के पदाधिकारियों और बाहरी लोगों की मिलीभगत से जमीन का गलत तरीके से बैनामा कर दिया गया। तहरीर के अनुसार, समिति के तत्कालीन सचिव शौकत अली पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी सदस्य बनाकर और जाली रसीदें तैयार कर जमीन का बड़ा हिस्सा अपने परिजनों और सहयोगियों के नाम करा दिया। आरोप है कि इस पूरी साजिश में कई लोग शामिल रहे और करोड़ों रुपये की संपत्ति का बंदरबांट किया गया। मामले में पूर्व विधायक मोहम्मद गाजी और उनके परिजनों के नाम भी सामने आए हैं। आरोप है कि तालिब बंधुओं और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर इस पूरी जमीन को कब्जाने की साजिश रची गई। बताया जा रहा है कि कुछ आरोपियों के बीच रिश्तेदारी भी है, जिससे इस पूरे नेटवर्क की गहराई का अंदाजा लगाया जा रहा है।

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने जमीन के मामले में विरोध किया, तो आरोपियों ने उन्हें रास्ते में रोककर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर उन्हें बचाया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन का कहना है कि सभी तथ्यों की गहन जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह मामला अब जिले में चर्चा का बड़ा विषय बन गया है और लोग प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं।

बिजली दफ्तर के पीछे मिला युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

बिजनौर (सब का सपना):- शहर कोतवाली क्षेत्र में रोडवेज बस स्टैंड के पास स्थित बिजली दफ्तर के पीछे एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सोमवार को लोगों ने शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई और इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही शहर कोतवाल रामप्रताप पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और फील्ड यूनिट को भी बुलाकर साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को कब्जे में

लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह के समय कुछ लोग वहां से गुजर रहे थे, तभी उनकी नजर युवक के शव पर पड़ी। देखते ही देखते आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। हालांकि मृतक की पहचान खबर लिखे जाने तक नहीं हो सकी थी।

पुलिस का कहना है कि शव की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत नशे की हालत में हुई हो सकती है, लेकिन इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी।

घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

सड़क हादसे में उजड़ गया घर का सहारा, बहन की शादी से पहले युवक की मौत

बिजनौर (सब का सपना):- रेहड़ थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 734 पर तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। हादसा रविवार देर रात करीब 12 बजे रेहड़ बस स्टैंड के पास हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक की मौके पर ही जान चली गई। घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर

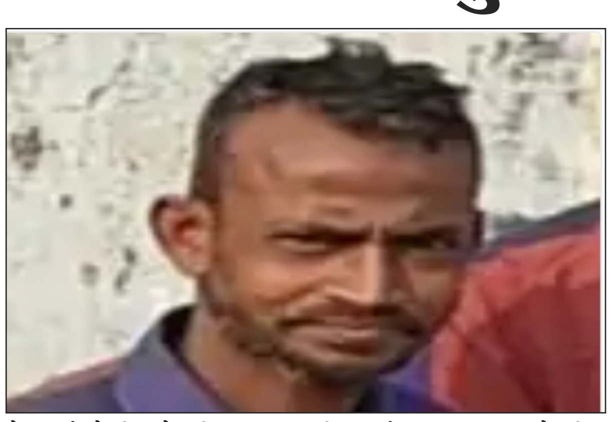

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभ में शव की पहचान नहीं हो सकी थी, लेकिन बाद में मृतक की शिनाख्त रेहड़ (दहलावाला) निवासी बलराज सिंह उर्फ बल्लू (32) पुत्र प्रेम सिंह के रूप में हुई।

परिजनों के मुताबिक, बलराज अविवाहित था और स्थानीय गैस एजेंसी में कार्यरत था। वह इन दिनों परिवार में शादी की तैयारियों के चलते छुट्टी पर घर आया हुआ था। घटना से एक दिन बाद उसकी बहन का लगन टीका होना था, जबकि आगामी दिनों में शादी तय थी। इस हादसे से परिवार की खुशियां अचानक मातम में बदल गईं।

पुलिस ने डंपर चालक की तलाश शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है और लोग सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं।

एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम में 80 करोड़ के ऋण आवेदन प्राप्त

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिला उद्योग केंद्र बुलंदशहर के प्रांगण में एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कमिश्नर जिला उद्योग केंद्र धनंजय सिंह एवं उप महाप्रबंधक (प्रधान कार्यालय, द्वारका दिल्ली) रुपिंदर सिंह तलवार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक बुलंदशहर के मंडल प्रमुख हेमंत सिंह सोनगरा, अग्रणी जिला प्रबंधक धीरज कुमार झा, रैम प्रमुख अभिषेक

कुमार बाबुल, मुख्य प्रबंधक तेजवीर सिंह सहित बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

आउटरीच कार्यक्रम के दौरान उद्यमियों एवं ग्राहकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, बैंकिंग सुविधाओं एवं ऋण प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर लगाए गए एक्सपो में लगभग 150 से अधिक ग्राहकों ने भाग लिया, जिनसे करीब 80 करोड़ रुपये के ऋण आवेदन प्राप्त हुए।

अधिकारियों ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलता है और स्वरोजगार के अवसर बढ़ते हैं, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति मिलती है।

बिजनौर हाईवे पर दो ट्रकों की टक्कर से परिचालक की मौत, क्रेन से केबिन काटकर निकाला गया शव

बिजनौर। बिजनौर-मुदराबाद हाईवे पर स्थित गांव धनौरी के निकट रविवार को सुबह पांच सड़क किनारे खड़े सरिये से भरे ट्रक में एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में ट्रक के परिचालक केबिन में फंस गए। किसी तरह उन्हें बाहर निकाला गया। दोनों को मेडिकल अस्पताल ले जाया गया। परिचालक मी मौत हो गई जबकि चालक का उपचार चल रहा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस हादसे की वजह नींद की झपकी मान रही है। जिला बुलंदशहर के थाना तिरहल के मुहल्ला पचासा निवासी सर्वेश कुमार ट्रक चालक था। मुहल्ले का ही 45 वर्षीय सुखराम सिंह के उसके साथ परिचालक था। वे बरेली से आटे की

बोरी लेकर मुजफ्फरनगर जा रहे थे। बिजनौर मुरादाबाद मार्ग पर गांव धनौरी के पास सड़क पर लोहे से भरा एक ट्रक खड़ा था।

सर्वेश कुमार का ट्रक परिचालक वाली साइड से सामने खड़े ट्रक में जा घुसा। सर्वेश के ट्रक का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर हल्दौर थाना प्रभारी किशन अवतार मौके पर पहुंचे। क्रेन बुलाकर केबिन में फंसे परिचालक सुखराम सिंह को किसी तरह बाहर निकाला।एंबुलेंस से दोनों को मेडिकल अस्पताल भिजवाया। वहां सुखराम सिंह ने दम तोड़ दिया जबकि सर्वेश कुमार का उपचार चल रहा है। सरिये से भरे ट्रक का चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। देर शाम मृतक के स्वजन पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंच गए।

हादसे के चलते हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने यातायात को नियंत्रित करते हुए मार्ग सुचारु कराया। थाना निरीक्षक किशन अवतार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाजपा जिला कार्यालय पर जन आक्रोश महिला सम्मेलन आयोजित

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भाजपा जिला कार्यालय पर जन आक्रोश महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद कांता कर्दम उपस्थित रहीं, जबकि अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विकास चौहान ने की और संचालन शशि शर्मा ने किया।

सम्मेलन में वक्ताओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्ष के रुख पर नाराजगी जताई। कांता कर्दम ने कहा कि भाजपा सरकार महिला

सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और यह अधिनियम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करेगा।

जिला अध्यक्ष विकास चौहान ने सरकार की उज्ज्वला योजना और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कार्यकताओं से महिलाओं को जागरूक करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में अनीता लोधी, विमला सोलंकी, दीप्ति मित्तल सहित कई जनप्रतिनिधि और महिलाएं मौजूद रहीं। अंत में महिला सशक्तिकरण का संकल्प लेते हुए सम्मेलन का समापन हुआ।

इंडियन ऑयल प्रबंधक से 32 लाख की ठगी: बिजनौर में दो गिरफ्तार, खातों के इस्तेमाल का खुलासा

बिजनौर। इंडियन आयल डिपो के प्रबंधक से साइबर ठगी के मामले में साइबर थाना पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों ने साइबर ठगों को अपने खाते इस्तेमाल करने के लिए दिए थे। इनके खाते में ठगी की रकम गई थी। अपना कमीशन काटकर बाकी रकम साइबर ठगों को वापस कर दी थी।

बिहार के जिला रोहताश के गांव दिनारा निवासी चंदन कुमार इंडियन आयल डिपो में प्रबंधक हैं। चंदन कुमार का आरोप था कि एक फरवरी को शेयर बाजार के नाम से बने एक व्हाट्सएप ग्रुप में जतिन शर्मा ने उन्हें

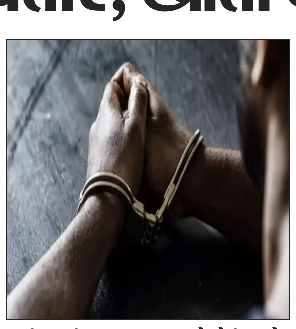

शामिल किया। इस ग्रुप में ट्रेडिंग के बारे में सिखाया जाता था। इसी ग्रुप में धीरे धीरे शेयर अलाट किए जाने लगे। आरोप है कि 24 फरवरी से 17 मार्च तक छह बैंक खातों में उनसे 32 लाख रुपये जमा कराए गए। इन खातों में रकम जमा कराने के बाद पांच हजार रुपये का मुनाफा भी दिया गया। इसके बाद आईपीओ में निवेश के लिए बोला गया और शेयर अलाट कर दिए गए। उनसे कुल 38 लाख रुपये जमा कराए गए, लेकिन बाद में और भी मोटी रकम पर भुगतान करने के लिए कहा गया तो चंदन कुमार को ठगी का पता चला।उन्होंने साइबर थाने में जतिन शर्मा और माइकल कालिस के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच के बाद पुलिस ने दो आरोपित बरेली के गांव पनुवा निवासी शिबुहसन व गांव अलीनगर निवासी मोहम्मद आरिफ को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने पुलिस को बताया कि उनकी मुलाकात दिसंबर 2025 में जिला लखीमपुर खीरी के रहने वाले राघव से हुई थी। राघव ने ही अपने व अन्य लोगों के बैंक खातों को साइबर ठगों को देने को कहा था। बदले में उन्हें मोटा कमीशन मिलना था।

इन्हीं खातों में साइबर ठगों ने रकम ट्रांसफर कराई थी। साइबर टीम की शुरूआती जांच में गिरफ्तार आरोपितों के खातों के सामने आए थे जिनके बाद उनकी गिरफ्तारी हुई है। साइबर ठगों के बारे में पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

किसानों ने 15 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपे ज्ञापन, 4 मई को पैदल मार्च की चेतावनी

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के बैनर तले किसानों ने सोमवार को जिला प्रशासन को अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर दो ज्ञापन सौंपे। यह ज्ञापन मांगेराम त्यागी की अध्यक्षता तथा चौधरी कुलदीप गुड्डू और शैलेंद्र आर्य के नेतृत्व में जिलाधिकारी को दिए गए।

किसानों ने बताया कि उनकी मांगें लंबे समय से लंबित हैं। प्रशासन की ओर से जल्द समाधान का आश्वासन दिया गया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी अभिषेक सिंह

सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ज्ञापन में एक्सप्रेसवे मुआवजा, बिजली आपूर्ति, स्मार्ट मीटर, गेहूं खरीद, दूषित पेयजल, अस्पताल व्यवस्थाओं और अवैध खनन समेत 15 प्रमुख मांगें शामिल रहीं।

किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि मांगें पूरी नहीं हुई तो 4 मई को अनाज मंडी से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च किया जाएगा।

खबर एक्सप्रेस

16,890 रुपये के लिए 14 साल मुकदमा चला, हाई कोर्ट हुई सख्त; बुजुर्ग कर्मचारी को परेशान करने पर उठा सवाल

चंडीगढ़। न्याय व्यवस्था का उद्देश्य न्याय दिलाना होता है, लेकिन कई बार यही व्यवस्था प्रक्रिया के बोझ तले अपना मूल उद्देश्य खो देती है। हाल ही में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में सामने आए एक मामले ने इस सच्चाई को उजागर कर दिया, जहां महज 16,890 की रिकवरी के लिए राज्य सरकार ने करीब 14 साल तक मुकदमा जारी रखा। मामला किसी जटिल कानूनी विवाद का नहीं था, बल्कि एक सेवानिवृत्त कर्मचारी से जुड़ी छोटी-सी राशि का था। कर्मचारी को 1999 में 24 साल की सेवा पूरी करने पर एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन का लाभ मिला था। लेकिन अक्टूबर 2007 में रिटायरमेंट के कुछ ही महीनों बाद यह लाभ वापस ले लिया गया, वेतन घटाया गया और रिटायरमेंट लाभों से रिकवरी कर ली गई।इस फैसले से आहत कर्मचारी ने पंजाब रोडवेज वर्कर्स यूनियन के माध्यम से औद्योगिक विवाद उठाया। मामले की सुनवाई करने वाले ट्रिब्यूनल ने रिकवरी को अवैध ठहराते हुए रकम लौटाने के आदेश दे दिए। सामान्यत यहीं विवाद समाप्त हो जाना चाहिए था, लेकिन राज्य सरकार ने इस आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।हाईकोर्ट ने की कड़ी टिप्पणी सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि हैरानी की बात है, राज्य 2012 से इस मामूली राशि के लिए मुकदमा लड़ रहा है, जबकि कर्मचारी अब लगभग 75 वर्ष का हो चुका है और जीवन के अंतिम पड़ाव में उसे कोर्ट तक घसीटा गया। कोर्ट ने साफ किया कि मुद्दा राशि का नहीं, बल्कि अनुपात और विवेक का है।अनावश्यक विवादों से बचना अनिवार्य कोर्ट ने कहा देश और दुनिया के अन्य न्यायिक तंत्रों में सरकारों के लिए मुकदमेबाजी को लेकर सख्त दिशा निर्देश हैं। यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका जैसे देशों में राज्य को माडल लिटिगेंट के रूप में कार्य करने की अपेक्षा होती है, जहां अनावश्यक विवादों से बचना अनिवार्य है। कोर्ट की टिप्पणी के बाद राज्य ने अपनी याचिका वापस ले ली, हालांकि उसने यह आग्रह किया कि ट्रिब्यूनल का फैसला भविष्य में मिसाल न बने। कोर्ट ने इसे स्वीकार करते हुए स्पष्ट किया कि इस फैसले का लाभ अन्य कर्मचारियों को नहीं मिलेगा। हाई कोर्ट में इस समय 4 लाख से अधिक मामले लंबित हैं और हर अनावश्यक अपील इस बोझ को बढ़ाती है। अदालत पहले भी सरकार को चेतावनी दे चुकी है कि केवल विवाद के लिए विवाद न करें।

सरहिंद में वार्डबंदी पर घमासान, भाजपा ने लगाया धांधली का आरोप; सड़कों पर उतरने की चेतावनी से बढ़ा सियासी पारा

फतेहगढ़ साहिब। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद में नगर कौंसिल चुनावों से पहले सियासी माहौल गरमा गया है। नई वार्डबंदी को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने खुलकर विरोध शुरू कर दिया है और सत्ताधारी दल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सरहिंद के भट्टी फार्म में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा नेताओं ने वार्डबंदी प्रक्रिया को पक्षपातपूर्ण और गैर-पारदर्शी करार दिया। भाजपा जिला अध्यक्ष दीदार सिंह भट्टी, सरबजीत सिंह मक्खन और तरलोचन सिंह ने कहा कि वार्डों का पुनर्गठन निष्पक्ष तरीके से होना चाहिए था, लेकिन वर्तमान सरकार के दबाव में प्रशासन ने नियमों को नजरअंदाज किया है। नेताओं का आरोप है कि वार्डों की सीमाएं इस तरह बदली गई हैं, जिससे विपक्षी दलों के मजबूत वोट बैंक को कमजोर किया जा सके। दूर-दराज के वार्डों को जोड़ने का आरोप उन्होंने दावा किया कि कई मोहल्लों को जानबूझकर दूर-दराज के वार्डों के साथ जोड़ दिया गया है, जिससे आम लोगों को भविष्य में भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। भाजपा नेताओं के अनुसार, यह कदम सीधे तौर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करता है और जनता के अधिकारों के साथ खिलवाड़ है।नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि वार्डबंदी करते समय जनसंख्या और भौगोलिक संतुलन का ध्यान नहीं रखा गया। कई वार्डों में मतदाताओं की संख्या बहुत अधिक है, जबकि कुछ वार्डों में बेहद कम, जो चुनाव संबंधी दिशा-निर्देशों के विपरीत है। उनका कहना है कि इससे न केवल चुनाव प्रक्रिया प्रभावित होगी, बल्कि विकास कार्यों में भी बाधाएं आएंगी।नक्शों की समीक्षा की रखी मांग प्रेस वार्ता के अंत में भाजपा नेतृत्व ने प्रशासन और राज्य सरकार को चेतावनी दी कि यदि वार्डबंदी के नक्शों की दोबारा समीक्षा नहीं की गई और लोगों की आपत्तियों को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो पार्टी सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी। नेताओं ने स्पष्ट किया कि वे इस मुद्दे को लेकर उच्च अधिकारियों और न्यायालय तक भी जाएंगे। इस मौके पर हरीश अग्रवाल, दविंदर कुमार भट्ट, गुरविंदर सिंह सोही, हरपाल सिंह बेदी और रोहित शर्मा सहित कई स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया और जनता से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

जालंधर में दिनदहाड़े स्नैचिंग, नकाबपोश बाइक सवारों ने बुजुर्ग महिला से सोने की बालियां छीनी

जालंधर। जालंधर में सोमवार को दिनदहाड़े हुई स्नैचिंग की घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एमएस फार्मर के पास हुई इस वारदात में बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने एक बुजुर्ग दंपती को निशाना बनाते हुए महिला के कानों से सोने की बालियां छीन लीं और मौके से फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुजुर्ग दंपती मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से जा रहे थे। जैसे ही वे गुरुद्वारा साहिब के पास पहुंचे, पीछे से तेज रफ्तार में आए दो अज्ञात लुटेरों ने अचानक झपट्टा मारा। इससे पहले कि दंपती कुछ समझ पाते, बदमाश महिला के कानों से सोने की बालियां छीनकर फरार हो गए।बाइकसवारों के चेहरे ढके हुए थे प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों आरोपित मोटरसाइकिल पर सवार थे और उन्होंने अपने चेहरे कपड़े से ढके हुए थे। इसके अलावा उन्होंने सिर पर कैप पहन रखी थी, ताकि उनकी पहचान न हो सके। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश तेजी से मोड़ की ओर भाग निकले और कुछ ही पलों में आंखों से ओझल हो गए।घटना के तुरंत बाद पीड़ित परिवार ने शोर मचाया, जिससे आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। लोगों ने बदमाशों का पीछा करने की कोशिश भी की, लेकिन वे काफी तेजी से भागने में सफल रहे। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल बन गया है और स्थानीय लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया सूचना मिलते ही आपातकालीन सेवा की टीम और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

कार जीतने के लालच में फंसा किशोर, घर से चुराए पैसे

जालंधर। जालंधर में सामने आए एक मामले ने आनलाइन गेमिंग और साइबर ठगी के खतरनाक पहलू को उजागर कर दिया। मकसूदां के पास रहने वाले एक एक किशोर ने मोबाइल गेम में कार जीतने के लालच में आकर घर से पैसे चुरा लिए। शुरूआत में परिवार को शक घर के एक शराब पीने वाले चाचा पर हुआ, लेकिन बाद में मोबाइल पर आए ट्रांजेक्शन और गेमिंग मैसेज ने सच्चाई सामने ला दी। जांच में पता चला कि किशोर ने आनलाइन गेम में पैसे लगाकर महंगे इनाम जीतने की उम्मीद में कई बार भुगतान किया। आजकल इंटरनेट पर ऐसे कई विज्ञापन और वीडियो तेजी से फैल रहे हैं, जिनमें दावा किया जाता है कि कुछ पैसे लगाकर गेम जीतें और इतने पैसे कमाएं कि कर कार, बाइक या महंगे मोबाइल खरीदे जा सकते हैं।इसके लिए बाकायदा एड भी होती है। ये आफर्स दिखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन असल में यह एक सुनियोजित साइबर ठगी का हिस्सा होते हैं। ऐसे लालच में आकर युवा, किशोर और बच्चे लगातार आनलाइन गेम में लाग इन करते हैं। पहले कुछ पैसे जीतते हैं लेकिन बाद में पैसों की खींच चोरी तक ले जाती है।एक बार पैसे डालने पर गेम देती है स्पेशल आफर

पैसों के लालच और पैसों से शानदार जिंदगी जीने के लालच में किशोर और युवा उम्र में जल्दी प्रभावित होते हैं। उन्हें जल्दी पैसा कमाने या महंगी चीजें पाने का आकर्षण होता है। गेमिंग कंपनियां और ठग मनोवैज्ञानिक तरीकों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे आप जीत के करीब हैं, लास्ट चांस, स्पेशल आफर जिससे यूजर बार-बार पैसे लगाता है।

इसके अलावा, सोशल मीडिया पर दिखने वाले फर्जी वीडियो और नकली विजेताओं की कहानियां भी लोगों को भ्रमित करती हैं। इन बीतों से फंसते हैं लोग 1. लुभावने विज्ञापनः सोशल मीडिया या गेम के अंदर कार जीतें, 10 लगाएं, लाखों पाएं जैसे आफर्स। 2. फर्जी एप और वेबसाइटः असली जैसे दिखने वाले प्लेटफार्म, जो पैसे जमा करवाते हैं लेकिन रिवार्ड नहीं देते। 3. बार-बार छोटे भुगतानः शुरूआत में छोटे अमाउंट से शुरूआत, फिर धीरे-धीरे बड़ी रकम लगवाना। 4. एटीपी और लिंक फ्राडः लिंक पर क्लिक करवा कर बैंक डिटेल या ओटीपी हासिल करना।ठगी के केस केस 1. जालंधर केस (हालिया घटना) एक किशोर ने गेम में कार जीतने के लालच में घर से हजारों रुपये चुरा लिए। परिवार को शक किसी और पर था, लेकिन मोबाइल मैसेज से सच सामने आया। इस मामले में पुलिस शिकायत की गई लेकिन बाद में वापिस भी ली गई।

केस 2. मकसूदां के पास एक पीजी में रहने वाले 12 वीं के छात्र ने 50 लगाओ, आइफोन जीतो वाले गेम में करीब 40 हजार रुपये गंवा दिए। यह पैसे उसने अपनी पढ़ाई के लिए मिले पैसों में से लगाए। बाद में एप बंद हो गया और कोई संपर्क नहीं मिला। जीतने पर भी खाते में पैसे नहीं आए थे। केस 3. दोआबा चौक के पास रहने वाले एक युवक ने क्रिकेट के नाम पर चलने वाली एक गेम में पैसे गंवा लिए। एक युवक ने आनलाइन बेटिंग एप पर शुरूआत में 500 जीते, जिससे उसका भरोसा बढ़ा। बाद में उसने 1.5 लाख रुपये लगा दिए और सब हार गया। केस 4. जालंधर की एक लड़की ने इंटरनेट मीडिया पर एक खेलो और जीतो नाम से चली एक गेम की वीडियो देखकर किशोरी ने लिंक पर क्लिक किया और रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर 10 हजार रुपये भेज दिए, लेकिन गेम जीतने पर कोई इनाम नहीं मिला। वहीं कई तरह से स्पेशल आफर लिए, जो पेड थे, लेकिन उनसे भी फायदा नहीं हुआ।

साइबर विशेषज्ञ पलविंदर सिंह बताते हैं कि आनलाइन गेमिंग का लालच अब सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह साइबर अपराध का बड़ा जरिया बन चुका है। खासकर किशोर और युवा इसके आसान शिकार बनते हैं। ऐसे मामलों में परिवार की जागरूकता, संवाद और तकनीकी सतर्कता बेहद जरूरी है, ताकि बच्चों को इस जाल से बचाया जा सके।

इन बातों का ध्यान रखें...

बच्चों पर नजर रखेंः उनके मोबाइल उपयोग और डाउनलोड किए गए एप्स की नियमित जांच करें।

पेरेंटल कंट्रोल इस्तेमाल करेंः स्क्रीन टाइम और एप एक्सेस सीमित करें।

अनजान लिंक से बचेंः किसी भी संदिग्ध लिंक या आफर पर क्लिक न करें।

जागरूकता बढ़ाएंः बच्चों को समझाएं कि आसान पैसा अक्सर धोखा होता है।

बैंक अलर्ट चालू रखेंः हर ट्रांजैक्शन का मैसेज तुरंत मिले, ताकि समय रहते पता चल सके।

शिकायत करेंः ठगी होने पर तुरंत साइबर क्राइम पोर्टल या पुलिस में शिकायत दर्ज करें।

लिव-इन संबंध में रह रहीं दो युवतियों को हाई कोर्ट की सुरक्षा, पुलिस को तुरंत सुरक्षा देने के निर्देश

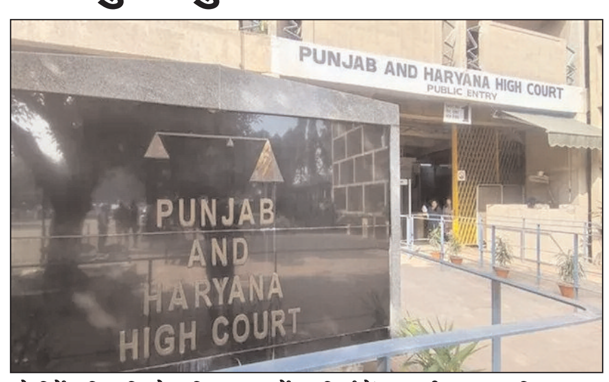

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहीं दो बालिग महिलाओं को राहत देते हुए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने पुलिस प्रशासन को स्पष्ट तौर पर आदेश दिया है कि याचिकाकताओं के जीवन और स्वतंत्रता को किसी भी प्रकार की क्षति न पहुंचे। यह आदेश जस्टिस मंदीप पन्नू की पीठ ने उस याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया, जिसमें दोनों महिलाओं ने अपने परिवारों से खतरे की आशंका जताई थी। अदालत ने आधार कार्ड सहित प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर पाया कि दोनों याचिकाकर्ता बालिग हैं और अपने निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं।

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकताओं की ओर से दलील दी कि दोनों महिलाएं अपनी मर्जी से साथ रह रही हैं, लेकिन परिवार के विरोध के कारण उन्हें जान का खतरा है। उन्होंने यह भी बताया कि 16 अप्रैल 2026 को संबंधित पुलिस अधिकारियों को शिकायत दी गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

लुधियाना पुलिस को आदेश जारी

इस पर अदालत ने लुधियाना जिले के खन्ना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया कि वे याचिकाकताओं की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करें और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यह आदेश संबंध की वैधता पर कोई मुहर नहीं लगाता, बल्कि केवल मौलिक अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से पारित किया गया है। अदालत ने अपने आदेश में भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 का उल्लेख करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है, चाहे वह किसी भी प्रकार के संबंध में क्यों न हो। राज्य का यह कर्तव्य है कि वह इस अधिकार की रक्षा करे।

अधिकार में अनावश्यक हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का भी हवाला दिया गया, जिनमें समान लिंग के वयस्कों के साथ रहने के अधिकार को संरक्षित करने और ऐसे मामलों में तत्काल पुलिस सुरक्षा देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में पहले दृष्टया सुरक्षा प्रदान करना आवश्यक है, ताकि किसी भी प्रकार की हिंसा या उत्पीड़न को रोका जा सके। हाई कोर्ट ने यह भी दोहराया कि बालिग व्यक्तियों को अपनी पसंद के साथी के साथ रहने का अधिकार है और इस अधिकार में अनावश्यक हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं है। हालांकि, यदि किसी आपराधिक मामले में संलिप्तता पाई जाती है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

आम लोगों की कहानी ने जीता दिल, पंजाबी लघु फिल्म हिडन हीरोज फाल्के महोत्सव के लिए चयनित

अमृतसर। पंजाबी सिनेमा की पांच मिनट से कम अवधि वाली लघु फिल्म हिडन हीरोज को 16वें दादा साहिब फाल्के फिल्म महोत्सव 2026, नई दिल्ली में नामांकन प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि फिल्म की टीम के लिए गर्व का विषय है और स्वतंत्र पंजाबी सिनेमा की ताकत को दशार्ती है। यह फिल्म उन अनदेखे नायकों की कहानी को सामने लाती है, जो समाज में चुपचाप अपने साहस, धैर्य और दया से दूसरों की मदद करते हैं, लेकिन अक्सर पहचान नहीं पाते। फिल्म का निर्माण एक ही दृश्य और एक ही बार में फिल्मांकन की तकनीक से किया गया है, जो इसे और भी विशेष बनाता है। अपने सरल लेकिन प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण के माध्यम से यह फिल्म दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने में सफल रहती है।दो वर्षों में तैयार हुई फिल्म

इस फिल्म का निर्देशन अजय जेठी ने किया है, जिन्होंने इसे लगभग दो वर्षों की मेहनत से तैयार किया। अजय जेठी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान रखते हैं और कई विदेशी फिल्मों में काम कर चुके हैं। इसके साथ ही वे पंजाबी सिनेमा में भी सक्रिय हैं और पहले भी कई परियोजनाओं से जुड़े रहे हैं। उनकी एक अन्य पंजाबी फिल्म को भी इसी महोत्सव में नामांकन मिल चुका है।फिल्म में दीप मंदीप और राजेश शर्मा जैसे अनुभवी कलाकारों ने अपनी प्रभावशाली अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया है। दीप मंदीप ने अपने बैनर के तहत कई लघु फिल्मों का निर्माण किया है और रंगमंच के क्षेत्र में भी उन्हें सम्मान मिल चुका है। वहीं राजेश शर्मा लंबे समय से थिएटर से जुड़े हैं और नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।प्रतिभाओं को आगे आने का दिया जा रहा अवसर

दादा साहिब फाल्के फिल्म महोत्सव देश के सबसे प्रतिष्ठित मंचों में से एक माना जाता है, जो फिल्म निर्माण में उत्कृष्टता को सम्मानित करता है और नई प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर देता है। ऐसे में हिडन हीरोज का नामांकन न केवल टीम के लिए, बल्कि पूरे पंजाबी सिनेमा के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

फिल्म की टीम ने इस सम्मान के लिए आभार जताया है और कहा है कि यह उन्हें और बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करेगा। आने वाले समय में इस फिल्म की प्रस्तुति से जुड़े विवरण घोषित किए जाएंगे, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।

पटियाला पहुंची ईडी, पूर्व डीआईजी भुल्लर के करीबी के घर रेड

पटियाला। पंजाब के पटियाला में भ्रष्टाचार और अवैध संपत्ति के आरोपों से जुड़े मामले में सोमवार सुबह बड़ी कार्रवाई देखने को मिली, जब प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर और उनके सहयोगियों से जुड़े कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस कार्रवाई ने पूरे पंजाब के प्रशासनिक और पुलिस महकमे में हलचल पैदा कर दी है। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई धन शोधन निवारण कानून के तहत की जा रही है। जांच एजेंसी को यह मामला पहले से दर्ज एक आपराधिक प्रकरण के आधार पर मिला था, जिसमें आरोप था कि एक केस के निपटारे के लिए बिचौलिए के माध्यम से अवैध रिश्वत मांगी गई थी। इसके साथ ही जांच में यह भी संकेत मिले कि आरोपितों के पास आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति मौजूद है। पटियाला को इस पूरी कार्रवाई का केंद्र माना जा रहा है, जहां दो प्रमुख स्थानों पर छापेमारी की गई। इसके अलावा नाभा में आरोपी सहयोगी कृष्णानु शारदा के घर पर भी टीम पहुंची और गहन जांच जारी है। बताया जा रहा है कि नाभा-पटियाला बाईपास स्थित इस आवास से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड मिलने की संभावना है।पंजाब-चंडीगढ़ में 11 जगहों पर दबिश जांच एजेंसी ने पूरे प्रदेश में कुल 11 स्थानों पर दबिश दी है। इनमें चंडीगढ़ के दो, लुधियाना के पांच, पटियाला के दो, नाभा का एक और जालंधर का एक स्थान शामिल है। ये सभी ठिकाने आरोपितों, उनके करीबी लोगों और संदिग्ध संपत्तियों से जुड़े बताए जा रहे हैं।सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी के दौरान टीमें वित्तीय लेन-देन से जुड़े दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य साक्ष्य खंगाल रही हैं। एजेंसी का मुख्य उद्देश्य इस बात का पता लगाना है कि अवैध धन का प्रवाह कैसे हुआ, किन माध्यमों से संपत्ति बनाई गई और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं।

अमृतसर से चली ट्रेन में मिला अकेला बच्चा, सतर्क स्टाफ ने किया रेस्क्यू; सुरक्षित घर पहुंचाया

फिरोजपुर। अमृतसर से जयनगर जा रही विशेष ट्रेन संख्या 04652 में ड्यूटी के दौरान टिकट जांच स्टाफ की सतर्कता और जिम्मेदारी का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है। इस ट्रेन में तैनात टिकट निरीक्षक पूजा शर्मा और शशि बाला ने समय रहते सूझबूझ दिखाते हुए एक 12 वर्षीय बच्चे को सुरक्षित उसके अभिभावकों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

जानकारी के अनुसार, टिकट जांच के दौरान दोनों स्टाफ सदस्य स्लीपर कोच में अपनी ड्यूटी निभा रही थीं। इसी दौरान उनकी नजर एक ऐसे बच्चे पर पड़ी, जो अकेले यात्रा कर रहा था। बच्चे की स्थिति को देखते हुए उन्हें संदेह हुआ और उन्होंने उससे बातचीत शुरू की। पूछताछ में बच्चा अपने अभिभावकों के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाया, जिससे मामला और गंभीर लगने लगा।अंबाला में सुरक्षित उतारा गया बच्चा

स्थिति को भांपते हुए टिकट जांच स्टाफ ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वाणिज्य नियंत्रण, फिरोजपुर को सूचना दी। अधिकारियों से संपर्क स्थापित कर बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आगे की योजना बनाई गई। इसके बाद बच्चे को अंबाला छावनी स्टेशन पर महिला रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों के हवाले किया गया, ताकि उसे सुरक्षित तरीके से उसके परिवार तक पहुंचाया जा सके।संबंधित विभाग की निगरानी में पूरी प्रक्रिया को सावधानीपूर्वक पूरा किया गया और अंततः बच्चे को उसके अभिभावकों को सकुशल सौंप दिया गया। इस दौरान सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिला, जिससे यह कार्य बिना किसी परेशानी के सफलतापूर्वक पूरा हुआ।टिकट स्टाफ की सतर्कता लाई रंग वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक बसंत कुमार ने इस पूरे घटनाक्रम की सराहना करते हुए कहा कि टिकट जांच स्टाफ ने अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ किया है। उनकी तत्परता और सतर्कता रेलवे की सकारात्मक छवि को मजबूत करती है और अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का कार्य करती है।

पंजाब में बनेगा गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा का ऐलान, युवाओं को जोड़ने की पहल

रूपनगर। पंजाब में गुरु रविदास जी की बाणी को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। शहर में आयोजित कीर्तन दरबार में पहुंचे राज्य के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने इस संबंध में महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार अपने किए वादों के अनुसार गुरु रविदास जी के संदेश को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस दिशा में डेरा सचखंड बल्ला जी के पास श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र स्थापित किया जाएगा। इस केंद्र के निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा करीब दस एकड़ जमीन खरीदी जा चुकी है। मंत्री ने जानकारी दी कि यह केंद्र आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा और इसमें लगभग 750 लोगों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी।उन्होंने कहा कि यह अध्ययन केंद्र केवल एक इमारत नहीं होगा, बल्कि यह गुरु साहिब की पवित्र बाणी और शिक्षाओं के गहन अध्ययन, शोध और प्रचार का प्रमुख केंद्र बनेगा। इसके माध्यम से समाज में आध्यात्मिक मूल्यों को मजबूत किया जाएगा और लोगों को गुरु रविदास जी के विचारों से जोड़ा जाएगा।निर्माण कार्य जल्द शुरू

मंत्री ने यह भी बताया कि केंद्र के नक्शे और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं और निर्माण कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी घोषणा की कि रूपनगर से शुरू हुई कीर्तन और कथा समागमों की श्रृंखला अब पूरे साल जारी रहेगी। राज्य के हर जिले में इस प्रकार के धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।युवाओं के लिए अध्यात्मिक कार्यक्रम होंगे

उन्होंने कहा कि इन समागमों के माध्यम से गुरु महाराज का सर्वसांझा और भाईचारे का संदेश आम लोगों तक पहुंचाया जाएगा। खास तौर पर युवाओं को इस पहल से जोड़ने के लिए राज्य के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में भी समय-समय पर आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर हलका विधायक एडवोकेट दिनेश चड्ढा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और कीर्तन दरबार का आनंद लिया। सरकार की इस पहल को समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे आने वाले समय में युवाओं को अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जड़ों से जोड़ने में मदद मिलेगी।पंजाब में बनेगा गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा का ऐलान, युवाओं को जोड़ने की पहल

रूपनगर। पंजाब में गुरु रविदास जी की बाणी को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। शहर में आयोजित कीर्तन दरबार में पहुंचे राज्य के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने इस संबंध में महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार अपने किए वादों के अनुसार गुरु रविदास जी के संदेश को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस दिशा में डेरा सचखंड बल्ला जी के पास श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र स्थापित किया जाएगा। इस केंद्र के निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा करीब दस एकड़ जमीन खरीदी जा चुकी है। मंत्री ने जानकारी दी कि यह केंद्र आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा और इसमें लगभग 750 लोगों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी।उन्होंने कहा कि यह अध्ययन केंद्र केवल एक इमारत नहीं होगा, बल्कि यह गुरु साहिब की पवित्र बाणी और शिक्षाओं के गहन अध्ययन, शोध और प्रचार का प्रमुख केंद्र बनेगा। इसके माध्यम से समाज में आध्यात्मिक मूल्यों को मजबूत किया जाएगा और लोगों को गुरु रविदास जी के विचारों से जोड़ा जाएगा।निर्माण कार्य जल्द शुरू

मंत्री ने यह भी बताया कि केंद्र के नक्शे और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं और निर्माण कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी घोषणा की कि रूपनगर से शुरू हुई कीर्तन और कथा समागमों की श्रृंखला अब पूरे साल जारी रहेगी।

राज्य के हर जिले में इस प्रकार के धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।युवाओं के लिए अध्यात्मिक कार्यक्रम होंगे उन्होंने कहा कि इन समागमों के माध्यम से गुरु महाराज का सर्वसांझा और भाईचारे का संदेश आम लोगों तक पहुंचाया जाएगा। खास तौर पर युवाओं को इस पहल से जोड़ने के लिए राज्य के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में भी समय-समय पर आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर हलका विधायक एडवोकेट दिनेश चड्ढा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और कीर्तन दरबार का आनंद लिया। सरकार की इस पहल को समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे आने वाले समय में युवाओं को अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जड़ों से जोड़ने में मदद मिलेगी।

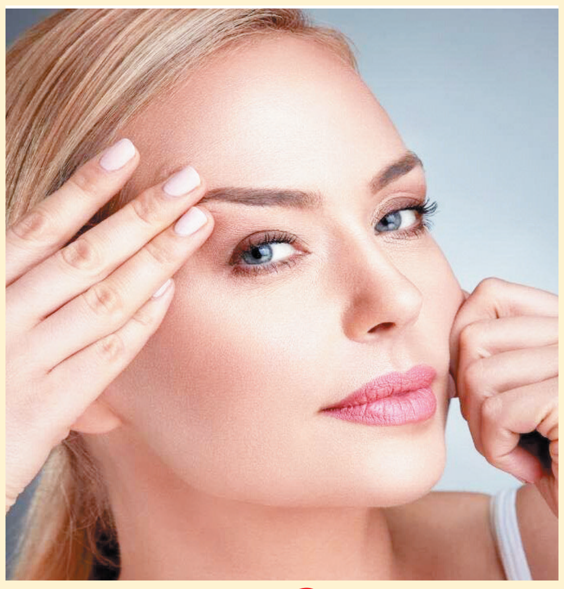

लटकती त्वचा से पाएं निजात

कई महिलाओं को लगता है कि केवल पार्लर ट्रीटमेंट या महंगे प्रोडक्ट्स ही खूबसूरती निखारते हैं, लेकिन सच्चाई इससे काफी अलग है। कई ऐसे पौधे मौजूद हैं जो स्किन के लिए किसी नेचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट से कम नहीं। अगर आप लटकी हुई त्वचा या डल फेस से परेशान हैं, तो एक आसान नुस्खा आपकी स्किन को फिर से टाइट और ग्लोइंग बना सकता है।

सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि स्किन का लटकना या ढीलापन सिर्फ उम्र के कारण नहीं होता। आजकल 25–30 साल की उम्र में भी लोग स्किन के लटकने की शिकायत करने लगे हैं। इसका कारण है लगातार स्क्रीन टाइम, नींद की कमी, केमिकल बेस्ड क्रीम्स और खराब खानपा।. जब स्किन के नीचे मौजूद कोलेजन कम होने लगता है, तो चेहरे पर कसावट भी घट जाती है। ऐसे में नेचुरल इंग्रीडिएंट्स से स्किन को अंदर से पोषण देना सबसे बेहतर तरीका है।

स्किन को कसने और ग्लो बढ़ाने के लिए सिर्फ तीन चीजों की जरूरत है। तुलसी की पत्तियां, चावल का आटा और मुल्तानी मिट्टी। ये तीनों चीजें मिलकर स्किन को नेचुरल टाइटनिंग देती हैं, साथ ही डार्क स्पॉट्स और झुर्रियों को भी कम करती हैं।

तुलसी की पत्तियां (सूखी और पाउडर के रूप में)
चावल का आटा
मुल्तानी मिट्टी

कैसे तैयार करें फेस पैक?

1. सबसे पहले तुलसी की ताजी पत्तियों को तोड़कर छांव में सुखा लें।
2. सूख जाने पर इन्हें पीसकर महीन पाउडर बना लें।
3. अब इसमें तुलसी पाउडर की मात्रा से 4 गुना ज्यादा चावल का आटा मिलाएं।
4. फिर इस मिक्स में 4 गुना मुल्तानी मिट्टी डालें और अच्छे से मिक्स कर लें।
5. जब भी लगाना हो, इस पाउडर में कच्चा दूध या एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट बना लें।.
6. इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 30 मिनट तक छोड़ दें।
7. समय पूरा होने पर सादे पानी से धो लें।

रोजाना या हफ्ते में 3 बार इसका इस्तेमाल करने से स्किन पर फर्क आने लगेगा।

रील्स से रियल लाइफ तक: मोबाइल की दुनिया में खोती खुशी!

क्या सोशल मीडिया छीन रहा है युवाओं की मुस्कान?

मोबाइल हाथ में आते ही उंगलियां जैसे अपने आप स्क्रीन पर दौड़ने लगती हैं. एक रील खत्म होती है तो दूसरी सामने, फिर स्टोरी, फिर पोस्ट... और देखते–देखते कब एक–दो घंटे निकल जाते हैं, पता ही नहीं चलता. आज के युवाओं के लिए यह सिर्फ टाइमपास नहीं, बल्कि रोज की आदत बन चुकी है, लेकिन इसी आदत के पीछे एक ऐसा सच छिपा है, जो थोड़ा परेशान करने वाला है. हाल ही में आई एक ग्लोबल रिपोर्ट ने इशारा किया है कि ज्यादा सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वाले युवाओं की खुशी और संतुष्टि धीरे–धीरे कम हो रही है. खास बात यह है कि इसका असर सबसे ज्यादा किशोर लड़कियों में देखा गया है.

सोशल मीडिया और खुशी का रिश्ता

आज के दौर में सोशल मीडिया सिर्फ बातचीत का जरिया नहीं रहा, बल्कि यह हमारी सोच, भावनाओं और आत्मविश्वास तक को प्रभावित करने लगा है. रिपोर्ट में साफ तौर पर सामने आया है कि जो किशोर ज्यादा समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनमें लाइफ सैटिस्फैक्शन कम देखने को मिलता है. यह जरूरी नहीं कि सोशल मीडिया ही इसका सीधा कारण हो, लेकिन दोनों के बीच एक मजबूत कनेक्शन जरूर दिख रहा है. जिन युवाओं का स्क्रीन टाइम सीमित है, वे खुद को ज्यादा खुश और संतुष्ट महसूस करते हैं. वहीं, लंबे समय तक ऑनलाइन रहने वाले युवाओं में यह स्तर गिरता नजर आता है.

किशोर लड़कियों पर ज्यादा असर क्यों?

रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा यह है कि 15 साल की लड़कियों में यह असर सबसे ज्यादा देखा गया है. इसका एक बड़ा कारण है सोशल मीडिया पर दिखने वाला 'परफेक्ट लाइफ' का भ्रम. आज इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म पर हर कोई अपनी जिंदगी का सबसे अच्छा हिस्सा दिखाता है. खूबसूरत तस्वीरें, शानदार लाइफस्टाइल, ट्रैवल, ब्रांडेड कपड़े. यह सब देखकर कई बार किशोर लड़कियां खुद की तुलना करने लगती हैं. यही तुलना धीरे–धीरे आत्मविश्वास को कम कर देती है.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म–ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें WhatsApp, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

आखिर युवा देख क्या रहे हैं?

यह सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप कितना समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आप वहां क्या देख रहे हैं, अगर कोई यूजर लगातार ऐसे कंटेंट देख रहा है जो दिखावे, ग्लैमर और 'परफेक्ट लाइफ' को बढ़ावा देता है, तो इसका असर मानसिक स्थिति पर पड़ सकता है. वहीं, अगर सोशल मीडिया का इस्तेमाल दोस्तों और परिवार से जुड़ने के लिए किया जाए, तो इसका असर पॉजिटिव भी हो सकता है. आजकल एल्गोरिदम ऐसे कंटेंट को आगे बढ़ाता है, जो ज्यादा एंगेजमेंट लाता है. इसका मतलब है कि यूजर्स को वही चीजें ज्यादा दिखती हैं, जो उन्हें लंबे समय तक स्क्रीन पर रोके रखें. चाहे वह कंटेंट उनके लिए अच्छा हो या नहीं.

किन देशों में दिखा ज्यादा असर?

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे अंग्रेजी भाषी देशों में यह गिरावट ज्यादा देखने को मिली है. पिछले करीब एक दशक में इन देशों के युवाओं की लाइफ सैटिस्फैक्शन कम हुई है. इसके पीछे सिर्फ सोशल मीडिया ही नहीं, बल्कि सामाजिक सपोर्ट भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है. जिन युवाओं को परिवार और समाज से कम सपोर्ट मिलता है, वे ज्यादा असंतुष्ट महसूस करते हैं. दिलचस्प बात यह है कि बाकी दुनिया के कई हिस्सों में युवाओं की खुशी का स्तर बढ़ा है. इससे यह साफ होता है कि सिर्फ डिजिटल दुनिया ही नहीं, बल्कि असली दुनिया में मिलने वाला सपोर्ट भी उतना ही जरूरी है.

क्या सरकारें उठाने लगी हैं कदम?

इस बढ़ते असर को देखते हुए कई देशों ने बच्चों और किशोरों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर सख्ती पर विचार शुरू कर दिया है. ऑस्ट्रेलिया जैसे देश 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं. यह कदम इसलिए उठाए जा रहे हैं क्योंकि अब यह सिर्फ एंटरटेनमेंट का मामला नहीं रहा, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा बन चुका है.

असली समस्या: स्क्रीन टाइम या कंटेंट?

अगर ध्यान से देखें तो मामला सिर्फ स्क्रीन टाइम का नहीं है. असली सवाल यह है कि हम डिजिटल दुनिया में क्या देख रहे हैं और उससे कितना प्रभावित हो रहे हैं. मान लीजिए, एक छात्र रोज घंटों मोटिवेशनल या एजुकेशनल कंटेंट देखता है, तो उसका असर अलग होगा. वहीं, अगर कोई लगातार दूसरों की 'परफेक्ट लाइफ' देखकर खुद को कमतर समझने लगे, तो यह उसकी खुशी को जरूर प्रभावित करेगा.

क्या किया जा सकता है?

इसका हल पूरी तरह सोशल मीडिया छोड़ देना नहीं है, बल्कि इसे समझदारी से इस्तेमाल करना है. कुछ छोटे बदलाव बड़ा फर्क ला सकते हैं–जैसे स्क्रीन टाइम सीमित करना, अपने कंटेंट फीड को कंट्रोल करना और असली दुनिया में ज्यादा समय बिताना. परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत, आउटडोर एक्टिविटी और खुद के लिए समय निकालना–ये सब चीजें मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती हैं. सोशल मीडिया आज की जरूरत बन चुका है, लेकिन इसका जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल धीरे–धीरे युवाओं की खुशी को प्रभावित कर रहा है. खासकर किशोर लड़कियों में इसका असर ज्यादा दिखना चिंता की बात है. ऐसे में जरूरी है कि हम डिजिटल दुनिया और असली जिंदगी के बीच सही संतुलन बनाना सीखें.

रिपोर्ट कार्ड से नहीं खुलेगा राज! पीटीएम में ये सवाल पूछेंगे तो ही समझ आएगी बच्चे की असली ग्रोथ

साल के आखिर में होने वाली पीटीएम यानी पेरेंट टीचर ?मीटिंग को अक्सर माता–पिता सिर्फ रिपोर्ट कार्ड देखने तक सीमित कर देते हैं. कुछ मिनट बैठकर नंबर पूछे, 'ठीक है' कहा और घर लौट आए, लेकिन सच कहें तो बच्चे की असली कहानी नंबरों से कहीं ज्यादा बड़ी होती है. उसकी क्लास में मौजूदगी कैसी है, वह दोस्तों के साथ कैसा व्यवहार करता है, छोटी–छोटी हार–जीत को कैसे संभालता है–ये सब बातें उसके भविष्य की नींव तय करती हैं. यही वजह है कि आखिरी पीटीएम सिर्फ एक फॉर्मेलिटी नहीं, बल्कि बच्चे को समझने का मौका होती है, अगर सही सवाल पूछे जाएं, तो आप बच्चे के इमोशनल, सोशल और बिहेवियरल ग्रोथ की असली तस्वीर जान सकते हैं. इस बार पीटीएम में जाएं तो सिर्फ मार्कशीट नहीं, ये 9 जरूरी सवाल जरूर साथ लेकर जाएं.

पीटीएम में क्यों जरूरी हैं सही सवाल?

पीटीएम सिर्फ एक मीटिंग नहीं, बल्कि स्कूल और घर के बीच पुल की तरह होती है. यहां टीचर वो बातें बता सकते हैं जो बच्चा घर पर नहीं दिखाता. कई बार बच्चे क्लास में अलग व्यवहार करते हैं–कुछ ज्यादा चुप हो जाते हैं, तो कुछ ज्यादा एक्टिव. अगर आप सही सवाल नहीं पूछते, तो ये जरूरी बातें छूट जाती हैं. और फिर हम सोचते रह जाते हैं कि 'बच्चा बदल क्यों रहा है?'

कौन–कौन से सवाल जरूर पूछें?

1. क्या मेरा बच्चा क्लास में खुश और सहज रहता है?

यह सबसे बुनियादी सवाल है, लेकिन यहीं से सब शुरू होता है, अगर बच्चा क्लास में सहज नहीं है, तो पढ़ाई पर भी असर पड़ेगा. टीचर से जानिए कि वह स्कूल में खुद को कितना सुरक्षित और खुश महसूस करता है.

2. वह दूसरे बच्चों के साथ कैसे घुलता–मिलता है?

दोस्ती करना भी एक स्किल है. कुछ बच्चे जल्दी घुल–मिल जाते हैं, जबकि कुछ को समय लगता है, अगर बच्चा अलग–थलग रहता है, तो इस पर ध्यान देने की जरूरत है.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म–ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें WhatsApp, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

3. क्या वह ग्रुप में खेलता है या अकेले रहना पसंद करता है?

यह सवाल बच्चे की पर्सनालिटी को समझने में मदद करता है. हर बच्चा अलग होता है, लेकिन लगातार अकेलापन कभी–कभी चिंता का संकेत हो सकता है.

बच्चे की भावनाओं को समझना भी जरूरी

4. जब चीजें उसके मन मुताबिक नहीं होतीं, तो वह कैसे रिएक्ट करता है?

मान लीजिए बच्चा गेम हार गया या उसकी बारी देर से आई–क्या वह गुस्सा करता है या शांत रहता है? यह उसकी इमोशनल कंट्रोल क्षमता दिखाता है.

5. क्या वह क्लास एक्टिविटीज में हिस्सा लेता है?

क्या बच्चा हाथ उठाकर जवाब देता है या पीछे बैठकर चुप रहता है? इससे उसका आत्मविश्वास साफ झलकता है.

6. क्लास में उसके सबसे करीबी दोस्त कौन हैं?

यह जानना जरूरी है कि बच्चा किन बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताता है. उसका सर्कल उसके व्यवहार को काफी प्रभावित करता है.

समस्या सुलझाने की क्षमता भी देखें

7. अगर किसी से झगड़ा हो जाए, तो वह क्या करता है?

क्या बच्चा तुरंत शिकायत करता है, रोने लगता है या खुद बात करके सुलझाने की कोशिश करता है? यह उसकी प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स का संकेत है.

8. क्या वह दूसरों की मदद करता है?

सहानुभूति एक बड़ी खूबी है, अगर बच्चा दूसरों की मदद करता है या उनके प्रति संवेदनशील है, तो यह उसके अच्छे व्यक्तित्व का संकेत है.

9. क्या जरूरत पड़ने पर वह मदद मांगता है?

कई बच्चे शर्म या डर के कारण मदद नहीं मांगते, अगर बच्चा खुलकर अपनी बात रखता है, तो यह उसके आत्मविश्वास को दिखाता है.

सिर्फ नंबर नहीं, पूरी तस्वीर देखें

आज के समय में सिर्फ अच्छे नंबर ही सफलता की गारंटी नहीं हैं. एक बच्चा जो भावनात्मक रूप से मजबूत है, दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करता है और खुद को समझता है–वही आगे जाकर बेहतर इंसान बनता है.

पीटीएम में सही सवाल पूछकर आप अपने बच्चे को बेहतर समझ सकते हैं. यह न सिर्फ उसकी पढ़ाई, बल्कि उसकी पूरी जिंदगी को दिशा देने में मदद करेगा.

वॉशिंग मशीन में रोज कपड़े धोएं या सप्ताह में, इसका सही तरीका क्या हैं?

आज के समय में वॉशिंग मशीन हर घर की एक बेहद खास ज़रूरत बन चुकी है. लेकिन कई बार एक आम सवाल लोगों के मन में आता है, क्या वॉशिंग मशीन में रोज़ कपड़े धोना चाहिए या सप्ताह में 2 बार धोना बेहतर होता है? इसका सही जवाब आपकी जीवनशैली, कपड़ों की संख्या और मशीन के रख–रखाव पर निर्भर करती है. आइए इसके पीछे के कारणों को विस्तार से समझते हैं.

रोज़ वॉशिंग मशीन चलाने के फायदे

रोज़ कपड़े धोने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि कपड़े जमा नहीं होते. जिन परिवारों में बच्चे होते हैं या जिन लोगों को रोज़ ऑफिस जाना होता है, वहां रोज़ धुलाई से कपड़े साफ और ताजे रहते हैं.

इसके अलावा, रोज़ धोने पर कपड़ों पर दाग जमने का खतरा कम रहता है, जिससे कम डिटर्जेंट और कम मेहनत में कपड़े साफ हो जाते हैं. हल्का लोड होने से मशीन पर ज़्यादा ज़ोर नहीं पड़ता और वॉश क्वालिटी भी बेहतर रहती है.

रोज़ धोने के नुकसान

हालांकि रोज़ वॉशिंग मशीन चलाने के कुछ नुकसान भी हैं. सबसे पहला नुकसान है बिजली और पानी की खपत. रोज़ मशीन चलाने से बिजली का बिल और पानी की खपत बढ़ सकती है.

इसके अलावा, कम कपड़ों के साथ मशीन चलाने से ड्रम और मोटर का सही उपयोग नहीं हो पाता, जिससे लंबे समय में मशीन की कार्यक्षमता पर असर पड़ सकता है. कुछ कपड़े बार–बार धोने से जल्दी पुराने भी दिखने लगते हैं.

सप्ताह में 2 बार मशीन में कपड़े धोने के फायदे

सप्ताह में 2 बार कपड़े धोना कई मामलों में ज्यादा व्यावहारिक और सही माना जाता है. इस तरीके से मशीन को फुल या ऑप्टिमल लोड मिलता है, जिससे पानी और बिजली दोनों की बचत होती है. एक साथ ज़्यादा कपड़े धोने से समय की भी बचत होती है और मशीन का उपयोग संतुलित रहता है. साथ ही, यह तरीका पर्यावरण के लिहाज़ से भी बेहतर माना जाता है.

'भूत बंगला' की फ्रेंचाइजी बनाना चाहती हैं एकता कपूर

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी की कमबैक फिल्म 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हासिल हुई हैं। वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म उम्मीद से धीमी ही कमाई कर रही है। लेकिन ऐसा लगता है कि मेकर्स फिल्म के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, तभी वो फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रहे हैं। जी हां सही सुना आपने, प्रोड्यूसर एकता कपूर भूत बंगला का सीक्वल बनाना चाहती हैं और वो इसे एक फ्रेंचाइजी के तौर पर विकसित करना चाहती हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रही हैं। उनकी योजना इसे एक फुल-फ्लेज्ड फ्रैंचाइज में बदलने की भी है। एकता कपूर के करीबी एक सूत्र ने बताया, 'भूत बंगला को परिवारों से मिल रहे प्यार और प्रतिक्रिया को देखते हुए निर्माता निश्चित रूप से इस फ्रेंचाइज को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। यह एक रोमांचक क्षेत्र है और इसलिए सीक्वल बनने की पूरी संभावना है।' हालांकि यह प्रोजेक्ट अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन हॉरर-कॉमेडी जॉनर में एकता की रुचि को देखते हुए, वह इस क्षेत्र में और भी कहानियों के साथ वापसी करना चाहती हैं।

'भूत बंगला' के जरिए अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। हालांकि, फिल्म को अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी के फैन काफी पसंद भी कर रहे हैं। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की शुरुआत उतनी दमदार नहीं रही, जितनी उम्मीद थी। शुरुआती पांच दिनों में खबर लिखे जाने तक फिल्म सिर्फ 70 करोड़ रुपए की कमाई ही कर पाई है।

धुरंधर के बाद सारा अर्जुन के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट!

प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मधुबाला पर लंबे समय से बायोपिक बनने को लेकर चर्चा चल रही है। अब खबर आ रही है कि इस प्रोजेक्ट में 'धुरंधर' फेम सारा अर्जुन मधुबाला की भूमिका निभाएंगी। इस प्रोजेक्ट में पहले कई बार देरी हुई है, मगर अब फिल्म के आगे बढ़ने की संभावना है। खबर यह भी है कि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बजाय, यह फिल्म सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी।

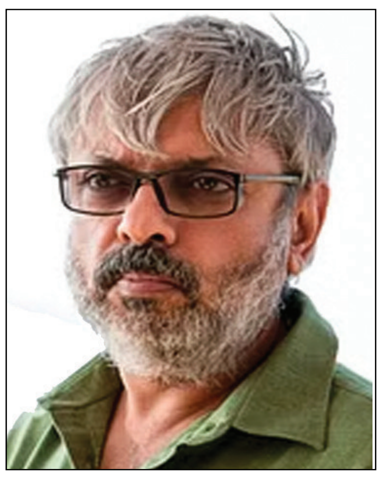

प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

वैरायटी इंडिया के मुताबिक अपकमिंग फिल्म का प्रोडक्शन जुलाई 2026 से शुरू होने वाला है। यह फिल्म पहले कुछ आर्थिक दिक्कतों की वजह से टल गई थी। अब संजय लीला भंसाली एक प्रोड्यूसर के तौर पर इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ेगा।

सारा ने लुक में किए बदलाव

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सारा अर्जुन ने इस फिल्म के लिए अपने लुक में बदलाव किए हैं। उन्होंने मधुबाला के रोल के लिए काम करना शुरू कर दिया है। दूसरी तरफ, दिलीप कुमार और किशोर कुमार जैसे दूसरे किरदारों के लिए कास्टिंग जारी है।

इन कलाकारों के नाम पर हो चुकी चर्चा

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में पहले कियारा आडवाणी को लीड रोल के लिए जा रहा था। सारा से पहले जिन दूसरी एक्ट्रेस को यह रोल ऑफर किया गया था, उनमें कल्याणी प्रियदर्शन, शरवरी और अनीत पड्डा भी शामिल थीं। हालांकि, एक्ट्रेस या मेकर्स की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

कई पहलुओं के दिखाएगी फिल्म

यह अनटाइटल्ड फिल्म इंडस्ट्री में मधुबाला के शानदार करियर के साथ-साथ उनकी पर्सनल लाइफ और मुश्किलों को भी दिखाने की कोशिश करेगी। दिलीप कुमार के साथ उनके रिश्ते से लेकर म्यूजिशियन किशोर कुमार के साथ उनकी शादी तक, यह फिल्म मधुबाला की जिंदगी के सभी उतार-चढ़ाव को दिखाएगी।

ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का पल है 'आसमानी' का प्रीमियर

कई बार किसी कलाकार के लिए प्रोजेक्ट उसका सपना बन जाता है। ऐसा ही कुछ अभिनेत्री और प्रोड्यूसर सयानी गुप्ता के साथ हुआ है, जिनकी शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' अब दुनिया के सामने पहली बार पेश होने जा रही है। यह सिर्फ एक फिल्म का प्रीमियर नहीं, बल्कि ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का वह पल है, जिसका इंतजार वह लंबे समय से कर रही थीं। इसी खास मौके से पहले उन्होंने अपने इमोशन्स इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए साझा किए। सयानी गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट में बताया कि पिछले ढाई साल उनकी जिंदगी के सबसे मेहनत भरे साल रहे हैं, जो अब जाकर 24 घंटे के अंदर एक बड़े मोड़ पर पहुंच रहे हैं। उनकी फिल्म 'आसमानी' का वर्ल्ड प्रीमियर होने जा रहा है और वह इसे अपने बच्चे की तरह मानती हैं, जो अब दुनिया को दिखाई जाएगी। उन्होंने लिखा, 'यह पल मेरे लिए बेहद खास है, और मैं चाहती हूं कि यह फिल्म लोगों के दिल तक पहुंचे।' इस फिल्म की खास बात यह है कि सयानी गुप्ता ने इसमें अभिनय के साथ इसकी कहानी को खुद लिखा है, निर्देशित किया और प्रोड्यूस भी किया है। यह उनके करियर का वह पड़ाव है, जहां उन्होंने कैमरे के सामने ही नहीं बल्कि कैमरे के पीछे भी अपनी पहचान बनाई है।

उनके इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से भी प्यार और शुभकामनाएं मिल रही हैं। अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स दीया मिर्जा ने कमेंट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके लिए खुशी जताई। उन्होंने कमेंट में लिखा, 'गुड लक और फ्लाई।' 'आसमानी' सयानी गुप्ता की पहली पूरी तरह से बनाई गई प्रोडक्शन फिल्म है। इसमें मशहूर अभिनेत्री रेवती और अभय कौल जैसे कलाकार नजर आएंगे। इससे पहले सयानी ने कुछ प्रोजेक्ट्स में सह-निर्माता के तौर पर काम किया था लेकिन यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट है, जिसे उन्होंने खुद लीड किया है। सयानी ने पहले बताया था कि यह उनका लंबे समय का सपना था कि वह ऐसी कहानियां बनाएं जो अलग हों और जिनमें नए विचार हों। वह चाहती हैं कि फिल्म निर्माण में सहयोग और रचनात्मकता को बढ़ावा मिले। इसलिए वह हर प्रोजेक्ट को धीरे-धीरे, लेकिन पूरी मेहनत और समझ के साथ करना चाहती हैं।

अशनीर ग्रोवर की बायोपिक का हिस्सा नहीं हैं इमरान खान

आमिर खान के भांजे और अभिनेता इमरान खान जल्द ही फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' से बतौर लीड एक्टर वापसी करने वाले हैं। लेकिन इस बीच ऐसी खबरें सामने आई थीं कि इमरान बिजनेसमैन अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में भी नजर आ सकते हैं। बीते दिनों इस बायोपिक से आमिर खान के भी छुड़ने की खबरें सामने आई थीं। अब इमरान खान ने इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है और खबरों के पीछे की सच्चाई से रूबरू करवाया है।

इमरान ने अफवाहों को किया खारिज

इमरान खान ने अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में काम करने की खबरों को सिरे से खारिज किया। अभिनेता ने कहा कि मैंने इस परियोजना के बारे में सुना तक नहीं है। यह सच नहीं है। इस प्रतिक्रिया के साथ ही इमरान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वो इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं। वहीं इमरान की प्रतिक्रिया के बाद अब प्रोजेक्ट के अस्तित्व को लेकर भी संदेह पैदा हो रहा है।

आमिर के फिल्म से जुड़ने की थीं खबरें

बीते दिनों ऐसी खबरें सामने आई थीं कि भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर की बायोपिक बन रही है। इस बायोपिक से आमिर खान के जुड़ने की भी खबरें सामने आई थीं। खबरों में ऐसा दावा किया गया था कि आमिर फिल्म में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। यानि वो अशनीर ग्रोवर की भूमिका में ही नजर आ सकते हैं। साथ ही ये बताया गया था कि फिल्म को राहुल मोदी निर्देशित कर सकते हैं। उनके द्वारा ही फिल्म की कहानी भी लिखी जाने की खबरें सामने आई थीं। लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई थी। लेकिन अब इमरान खान ने इस प्रोजेक्ट को लेकर साफ तौर पर इनकार कर दिया है। भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर, शार्क टैंक इंडिया में निवेशक के रूप में आने के बाद बेहद लोकप्रिय हो गए।

इस फिल्म से बतौर लीड एक्टर वापसी करेंगे इमरान

वहीं इमरान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो लंबे समय बाद 'अधूरे हम अधूरे तुम' से बतौर लीड एक्टर वापसी करेंगे। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर के प्रमुख भूमिका में नजर आने की संभावना है। इमरान खान आखिरी बार इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में नजर आए थे। फिल्म में उनकी भूमिका छोटी थी।

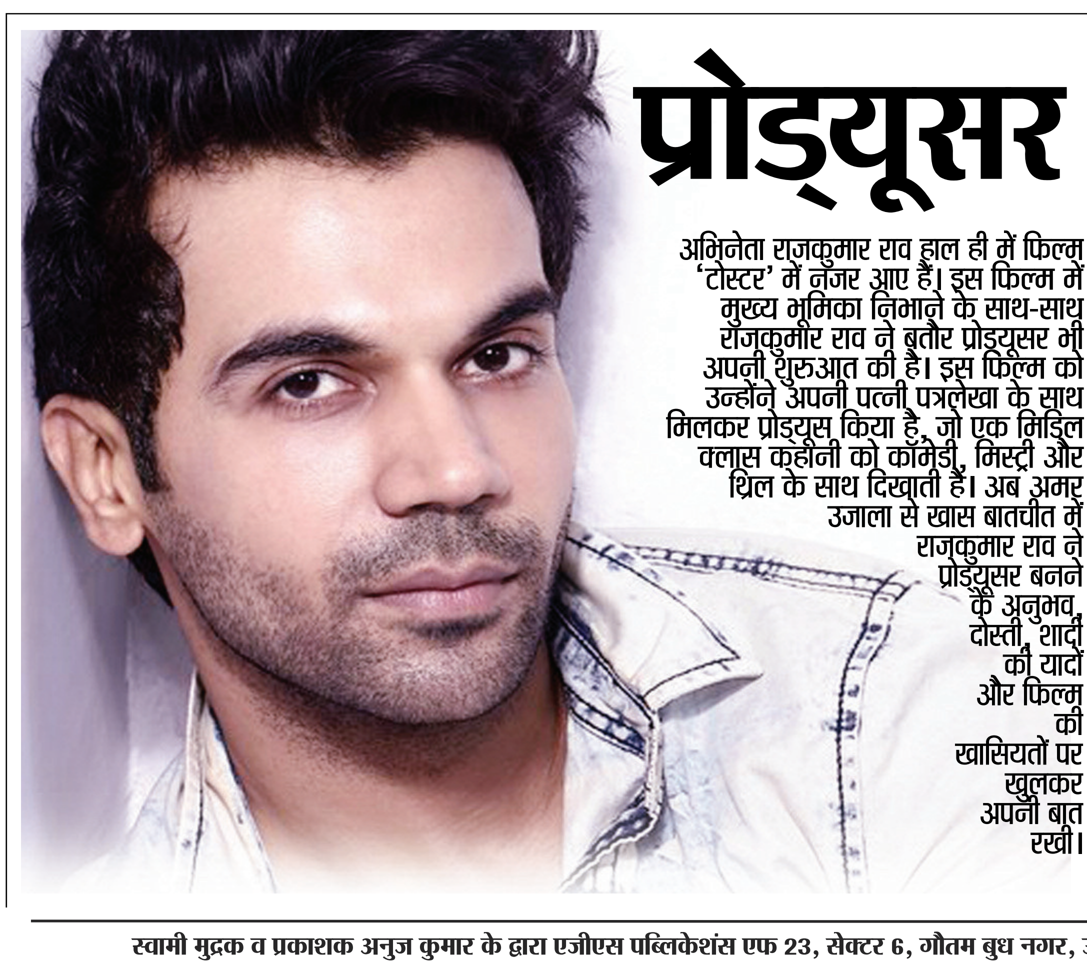

प्रोड्यूसर बनना आसान नहीं

अभिनेता राजकुमार राव हाल ही में फिल्म 'टोस्टर' में नजर आए हैं। इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ राजकुमार राव ने बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी शुरुआत की है। इस फिल्म को उन्होंने अपनी पत्नी पत्रलेखा के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है, जो एक मिडिल क्लास कहानी को कॉमेडी, मिस्ट्री और थ्रिल के साथ दिखाती है। अब अमर उजाला से खास बातचीत में राजकुमार राव ने प्रोड्यूसर बनने के अनुभव, दोस्ती, शादी की यादों और फिल्म की खासियतों पर खुलकर अपनी बात रखी।

प्रोड्यूसर बनने का अनुभव कैसा रहा और आपने क्या नया सीखा?

मुझे लगता है कि यह मुझे मजबूत बनाने वाला अनुभव है। क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा काम है, बहुत मेहनत है। प्रोड्यूसर होना आसान नहीं है। मैं यही सोचता रहा कि पत्रलेखा ने यह सब कैसे मैनेज किया, उनसे मैंने बहुत कुछ सीखा है। मुझे लगता था कि प्रोड्यूसर का काम बहुत आसान होता होगा। एक बार आपने टीम सेट कर दी, उसके बाद सब हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं है। चौबीसों घंटे हर दिन आपको बहुत सारे फैसले लेने होते हैं। छोटे भी और बड़े भी। लगातार बातें करनी होती हैं, मीटिंग करनी होती है, बहुत सारा पेपरवर्क होता है। हर चीज के लिए हजारों लोगों से संपर्क रखना पड़ता है, तो काम बहुत ज्यादा होता है। चूंकि, हम दोनों अभिनेता हैं, इसलिए हमें क्रिएटिव चीजों पर भी ध्यान देना पड़ता है। एडिट कैसा जा रहा है, डीआई कैसा जा रहा है, साउंड कैसा सुनाई दे रहा है? हर चीज देखनी पड़ती है

पर्दे पर कंजूस किरदार और असल जिंदगी में प्रोड्यूसर, कहीं पैसों का खास ख्याल रखने की प्रैक्टिस तो नहीं चल रही?

यह बिल्कुल एक संयोग है। इसका असल जिंदगी से कोई लेना देना नहीं है। (हंसते हुए) हम लोग असल जिंदगी में बिल्कुल अलग हैं, कंजूस तो बिल्कुल नहीं है। बल्कि हम तो ऐसे प्रोड्यूसर हैं जो चाहते हैं कि सेट पर लोगों को बहुत अच्छा खाना मिले, सबको समय पर खाना दिया जाए। हम खुद इतने साल से अभिनेता हैं, इसलिए हमें ठीक से पता है कि सेट पर किन चीजों से लोगों को दिक्कत होती है, क्या परेशानियां होती हैं। अगर लोग शिकायत करते हैं तो हम चाहते हैं कि ऐसा न हो। अगर कोई बात हम तक पहुंचे तो हम उसे तुरंत ठीक करें, क्योंकि हमें खुद पता है कि क्या सही है और क्या गलत।

बतौर प्रोड्यूसर आपने अपनी पहली फिल्म के लिए डार्क कॉमेडी ही क्यों चुनी?

ऐसा कुछ नहीं था। यह पहली चीज थी जो हमारे पास आई थी। इससे पहले भी हमने कुछ और चीजें पढ़ी थीं, लेकिन यह हमें क्लिक हुई। इसे पढ़कर बहुत मजा आया। इसके किरदार और कहानी बहुत दिलचस्प हैं। हम हमेशा से यही चाहते थे कि यह फिल्म स्ट्रीमिंग के लिए बने। हमें लगा कि इस ओटीटी प्लेटफार्म पर वहां कॉमेडी कम है, तो यह वैसी फिल्म हो सकती है जिसे ऑडियंस खूब पसंद करें। इसमें एक मिडिल क्लास सोसायटी की कहानी है, जिसे बहुत ही मजेदार तरीके से दिखाया गया है। कहानी बहुत रियल है, जो इंडियन फॅमिली से जुड़ी हुई है। सब कुछ बहुत फन तरीके से दिखाया गया है। यह एक अलग तरह की फिल्म है, जिसमें मिस्ट्री भी है, थ्रिल भी है और कॉमेडी भी है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।